RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 293 ता. 02 मई 2021, रविवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

वैक्सीन बनी वायरस के खिलाफ ढाल, 45 पार लोगों ने बिना अस्पताल गए घर पर रहकर कोरोना को दी मात

इंदौर। कोरोना से जंग में वैक्सीन(टीका) ढाल बन गया। इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) के 12 अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए तो इसे ढाल का ही काम किया है। किसी की उम्र 45 पार है तो कोई सेवानिवृत्ति के करीब है, लेकिन सब बराबरी से कोरोना से लड़े और घर बैठे-बैठे उसे मात दे डाली। कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लगे होने की वजह से संक्रमण उन पर हावी नहीं हो पाया। किसी को भी अस्पताल ले जाने की स्थिति नहीं बनी। अब सभी की रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी है। बीस दिन पहले आइडीए के अधिकारी और कर्मचारी एक के बाद एक पाजिटिव आने लगे। ज्यादातर वे ही थे, जो एक दूसरे के संपर्क में रहे। पहली लहर के समय आइडीए ने शहर के क्वारंटाइन सेंटरों की व्यवस्था संभाली थी, लिहाजा कोरोना योद्धा के रूप में यहां के स्टाफ को भी प्राथमिकता से दोनों टीके लग चुके हैं। उसी का कमाल था कि कोरोना ने दूसरी लहर में जिन अधिकारियों और कर्मचारियों पर हमला किया, उनके लिए वह सिर्फ वायरल संक्रमण तक सीमित रहा। फेफड़ों तक नहीं पहुंच पाया और सौभाग्य से किसी की भी स्थिति गंभीर नहीं बनी। आइडीए के चीफ इंजीनियर एसएस राठौर की उम्र 59 साल है। वे कोरोना संक्रमित हुए और घर पर ही आइसोलेट हो गए। राठौर बताते हैं सिर्फ दो दिन बुखार आया और गले में खराश हुई। टीका लगा होने के कारण संक्रमण का असर कम रहा। परिवार के दूसरे लोग भी संक्रमित नहीं हुए। मेरी रिपोर्ट सात दिन में ही निगेटिव आ गई।सिर्फ एक दिन बुखारआइडीए के अधीक्षण यंत्री अनिल जोशी की उम्र भी 55 साल से ज्यादा है। उन्होंने भी घर पर रहकर कोरोना को मात दी। हल्का बुखार आने के बाद जांच कराई तो रिपोर्ट पाजिटिव आ गई। घर पर रहकर दवाएं लीं। टीके के दोनों डोज लगे होने के कारण संक्रमण फेफड़ों तक पहुंच ही नहीं पाया।

बिना लाव लश्कर शीश गंज गुरुद्वारा पहुंचे पीएम मोदी

गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व पर की प्रार्थना

नई दिल्ली। गुरु तेगबहादुर जी के 400 वें प्रकाश पर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह गुरुद्वारा शीशगंज साहिब में पहुंचकर मत्था टेका। बिना किसी सुरक्षा घेरे के मोदी गुरुद्वारा पहुंचे। सुबह-सुबह पीएम मोदी ने यहां पहुंच कर प्रार्थना की। प्रधानमंत्री यहां बिना किसी सुरक्षा रूट और स्पेशल सुरक्षा व्यवस्था के पहुंचे थे। बता दें कि इससे पहले भी कई मौके पर प्रधानमंत्री मोदी गुरुद्वारे में मत्था टेकने पहुंचे चुके हैं। आज जब पीएम मोदी गुरुदारे के लिए अपने आवास से निकले तो ट्रैफिक नहीं रोकी गई। हालांकि, उनके काफिले के साथ दूसरे भी वाहन चल रहे थे। इस दौरान उनके साथ गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के सदस्य भी मौजूद थे। बता दें कि इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु तेग

बहादुर की 400वीं जयंती पर राष्ट्र को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका बलिदान कई लोगों को शक्ति और प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने कहा, 400 वें प्रकाशोत्सव के विशेष अवसर पर, मैं श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन करता हूं। उनके साहस और दलितों की सेवा के उनके प्रयासों के लिए उन्हें विश्व स्तर पर सम्मानित किया जाता है। उन्होंने अत्याचार और अन्याय के लिए झुकने से मना कर दिया था। उनके सर्वोच्च बलिदान से ताकत और प्रेरणा मिलती है%।गुरु तेग बहादुर सिख धर्म के नौवें गुरु थे। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 8 अप्रैल को कहा था कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400 वें प्रकाश पर्व का अवसर एक आध्यात्मिक सौभाग्य के साथ-साथ राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान यह बयान दिया था।

भरूच के हॉस्पिटल में लगी आग से 20 लोगों की मौत

पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने घटना को लेकर दुख जताया

भरूच। गुजरात के भरूच शहर के पटेल वेलफेयर हॉस्पिटल में बनाए गए कोरोना केयर वार्ड में शुक्रवार रात भीषण आग लग गई। देखते- देखते आग की लपटें अस्पताल के आईसीयू वार्ड तक पहुंच गई। भीषण आग को देख आनन-फानन में बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। आग की चपेट में हॉस्पिटल के कई मरीज आ गए। सूचना पर पहुंची दमकल की कई गाड़ियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इसमें 20 लोगों की मौत की खबर है। इसमें मरीज और स्टॉफ शामिल हैं। राज्य सरकार ने पीड़ितों में से प्रत्येक के परिवारों को 4 लाख रुपये की सहायता प्रदान करने की घोषणा की। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने घटना को लेकर दुख जताया। जानकारी के अनुसार, भरूच शहर के पटेल वेलफेयर हॉस्पिटल में यह घटना शुक्रवार रात करीब 12.30 हुई। भरूच स्थित पटेल वेलफेयर हॉस्पिटल के कोविड वार्ड में अचानक आग लग गई। माना जा रहा है कि यह आग शॉर्ट सर्किट से लगी। बताया गया है कि जिस जगह आग लगी, वहीं पर आईसीयू वार्ड था। आग तेजी से फैली। इस कारण मरीजों को बाहर निकालने का बहुत कम समय मिला। जब तक मरीजों को बाहर निकाला जाता, इस दौरान काफी मरीज आग की लपटों में घिर चुके थे। वहीं कोविड केयर सेंटर में आग लगने की सूचना पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। तमाम पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। हॉस्पिटल में फंसे लोगों को बचाने का कार्य शुरू कर दिया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए भरूच में कोविड देखभाल केंद्र के ट्रस्टी जुबेर पटेल बताया कि यह न केवल हमारे लिए बल्कि पूरे भरूच के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। पुलिस और लोगों की मदद से हम रोगियों को अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित कर रहे हैं। घटना में मरीजों और स्टाफ नर्सों की जान गई है।पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने दुख

दिल्ली के इन निजी अस्पतालों में आज से 18+ वालों को लगेगा कोरोना का टीका

800 से 1250 रुपये तक होगी कीमत

नई दिल्ली। दिल्ली के कुछ बड़े निजी अस्पतालों में शनिवार से 18 वर्ष से अधिक और 45 से कम उम्र वालों का टीकाकरण होगा। जानकारी के अनुसार दिल्ली के मैक्स, अपोलो और फोर्टिस अस्पताल ने शनिवार से ही 45 से कम उम्र के लोगों को टीका लगाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए अस्पतालों ने सीधे वैक्सीन निर्माताओं से कुछ स्टॉक मंगवाया है।

यहां मिलेगी टीके की सुविधा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को 18 से 44 वर्ष की आयु वाले लोगों से एक मई से कोविड-19 टीकाकरण केंद्रों के बाहर लाइन न लगाने की अपील करते हुए कहा था कि दिल्ली को अभी टीके नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि अगले एक-दो दिनों में करीब तीन लाख कोविशील्ड टीके मिलेंगे और 18 साल से अधिक आयु वाले लोगों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू होगा।

देशभर में 18 से 44 वर्ष की आयु वर्ग वाले लोगों के लिए कोविड-19 टीकाकरण अभियान एक मई से शुरू होगा। हालांकि दिल्ली और कुछ अन्य राज्यों ने कहा है कि टीकों की कमी के कारण वे टीकाकरण अभियान शुरू नहीं कर पाएंगे।

केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार ने तीन महीनों में कोविशील्ड और कोवैक्सीन में प्रत्येक की 67 लाख खुराकों का ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि अगर कंपनियां टीकों की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति कर दें तो अगले तीन महीनों में हर किसी को टीका लगा दिया जाए। उन्होंने दिल्लीवासियों को आश्वस्त किया कि हर किसी को टीका लगाया जाएगा।

भगोड़े नीरव मोदी की पैंतरेबाजी

भारत आने से बचने के लिए इंग्लैंड के हाईकोर्ट में की अपील

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा काराबोरी नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता साफ हो चुका है। हाल ही में ब्रिटेन के गृह मंत्री ने इसकी मंजूरी भी दे दी थी। हालांकि उसने भारत आने और कार्रवाई से बचने की एक और कोशिश की है। नीरव मोदी ने ब्रिटेव के हाईकोर्ट में प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका दाखिल की है। उन्होंने याचिका में कई दलीलें दी हैं। हालांकि उसे साबित करना नीरव मोदी के लिए चुनौती होगी। नीरव मोदी ने बुधवार को ब्रिटेन के हाईकोर्ट में अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील के लिए अपना प्रारंभिक आधार दायर किया है। इसमें उन्होंने वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा भारत में अपने प्रत्यर्पण और 15 अप्रैल को ब्रिटेन के गृह सचिव प्रभा पटेल की मंजूरी को चुनौती दी है। नीरव मोदी की कानूनी टीम के अनुसार, अपील को सिद्ध करने के लिए आधार तैयार किए जा रहे हैं और जल्द ही

दायर किए जाएंगे। फिलहाल ये अपील के प्रारंभिक आधार हैं। नीरव मोदी की याचिका में भारत में उचित मुकदमा नहीं चलने और राजनीतिक कारणों से उन्हें निशाना बनाने की चिंता जाहिर की गई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि भारत में जेलों की स्थिति खराब है और उसके खिलाफ सबूत कमजोर हैं। आपको बता दें कि इससे पहले लंदन की एक अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण पर सहमति जताई थी और उसकी सभी दलीलों को खारिज करते हुए कहा था कि उसका भारत की जेल में ख्याल रखा जाएगा। नीरव मोदी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी पर पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर 14 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक के लोन की धोखाधड़ी का आरोप है। यह धोखाधड़ी गारंटी पत्र के जरिए की गई। उस पर भारत में बैंक घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग के तहत दो प्रमुख मामले सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ने दर्ज किए हैं। इसके अलावा कुछ अन्य मामले भी उसके खिलाफ भारत में दर्ज हैं। सीबीआई और ईडी के अनुरोध पर ब्रिटेन से उसका प्रत्यर्पण अगस्त, 2018 में मांगा गया था।

सीवान के पूर्व बाहुबली सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन का कोरोना से निधन

नई दिल्ली। बिहार के सीवान के पूर्व बाहुबली सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन का कोरोना से आज निधन हो गया। दिल्ली के एक प्राइवेट अस्पताल में पूर्व सांसद शहाबुद्दीन का निधन हुआ। कई मामलों में सजा काट रहे मोहम्मद शहाबुद्दीन तिहाड़ जेल में बंद थे। पिछले मंगलवार की रात उन्हें कोरोना पॉजिटिव होने के बाद दिल्ली के पं. दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले पिछले साल सितंबर में पूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन के पिता शेख मोहमद हसीबुल्लाह (90 वर्ष) का निधन हो गया था। उस वक्तर तिहाड़ में बंद पूर्व सांसद को पैरोल पर लाने की मंजूरी नहीं मिल पाई थी। हत्या के मामले में तिहाड़ जेल में आजावीन कारावास की सजा काट रहे पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के खिलाफ तीन दर्जन से अधिक

आपराधिक मामले चल रहे हैं। 15 फरवरी 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बिहार की सीवान जेल से तिहाड़ लाने का आदेश दिया था। तिहाड़ जेल में शहाबुद्दीन को एकदम अलग बैरक में रखा गया था। उस बैरक में शहाबुद्दीन के अलावा कोई दूसरा कैदी नहीं था। जेल के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने के शर्त पर बताया कि तिहाड़ में तीन ऐसे कैदी (शहाबुद्दीन, छोटा राजन और नीरज बवाना) हैं जिनको अलग-अलग बैरकों में अकेला रखा गया है। इनका किसी से भी मिलना-जुलना नहीं होता है। पिछले 20-25 दिनों से इनके परिजनों को भी इन कैदियों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। इन सबके बावजूद शहाबुद्दीन कैसे कोरोना संक्रमित हो गया, ये चिंता करने की बात है।

नासमझी में बहादुरी न दिखाएं, हम थक सकते हैं वायरस नहीं : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर के बढ़ते कहर के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को नासमझी में बहादुरी न दिखाने की सलाह दी है। मंत्रालय ने कहा कि 'कोरोना कुछ नहीं है', 'यह घोटाला है', 'वायरस जितना फैलना था, फैल चुका', 'मुझे मास्क की जरूरत नहीं', 'चलो पार्टी करते हैं', 'कोरोना की चिंता के अलावा भी जिंदगी है' ऐसी बातों से बचें। मंत्रालय ने दो टूक कहा कि हम थक सकते हैं, लेकिन वायरस नहीं थकता है। मंत्रालय ने सभी से कोरोना से बचाव के कदमों का पालन करने की अपील की है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने हालात से निपटने के लिए सबसे सहयोग

की अपील की। उन्होंने कहा कि गलत तरह का डर भी सही नहीं है।

अनावश्यक डर के कारण घरों में आक्सीजन सिलेंडर नहीं रखने की भी अपील-उन्होंने कहा कि लोग बिना वजह घरों में आक्सीजन सिलेंडर और जरूरी दवाओं का स्टाक न जमा करें। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने महामारी की शुरुआत से ही आक्सीजन सपोर्ट वाले बेड को अहम बताया है। राज्यों को सुझाव दिया गया है कि आक्सीजन के असामान्य इस्तेमाल को रोकें। ध्यान रखा जाए कि जब जरूरत न हो तो सिलेंडर का वाल्व खुला न रहे। देखने में आ रहा है कि कुछ निजी अस्पताल घर में कोविड केयर के पैकेज में आक्सीजन सिलेंडर भी दे रहे हैं। मौजूदा हालात में आक्सीजन को क्रिटिकल कमोडिटी की तरह समझना होगा।

कोविड सस्पेक्ट वार्ड बनाएं राज्य-

स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से कोविड सस्पेक्ट वार्ड बनाने को भी कहा है। संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा, ऐसे मरीज जिनकी रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन उनमें लक्षण दिख रहे हैं, उन्हें कोविड सस्पेक्ट वार्ड में रखकर उनका इलाज शुरू कर दिया जाए। अग्रवाल ने इस दौरान आक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में केंद्र सरकार की ओर से उठाए गए कदमों की भी जानकारी दी।

कोरोना आफत के बीच राहत

पटना महावीर मंदिर जरूरतमंदों को मुफ्त में दे रहा ऑक्सीजन

पटना। बिहार की राजधानी पटना रेलवे स्टेशन के पास स्थित सुप्रसिद्ध महावीर मन्दिर की ओर से कोरोना के गंभीर मरीजों के लिए निःशुल्क ऑक्सीजन वितरण की शुरुआत की गई। सुबह साढ़े दस बजे पटना के श्रीकृष्णानगर मुहल्ला निवासी 72 वर्षीय दीपक कुमार सिन्हा के परिजनों को पहला ऑक्सीजन सिलेंडर भरकर दिया गया। महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल ने इस कार्य का शुभारंभ किया।

महावीर मन्दिर के आधिकारिक वेबसाइट mahavirmandirpatna.org पर सुबह सात बजे से ऑनलाइन बुकिंग शुरू हुई जो देर शाम तक जारी रही। बुकिंग के बाद जारी स्लिप के साथ मरीज के आधार कार्ड और निम्न ऑक्सीजन लेवल दर्शाती मेडिकल पर्ची की छायाप्रति जमा करने पर ऑक्सीजन सिलेंडर की रिफिलिंग हो रही है। आचार्य किशोर कुणाल ने बताया कि महावीर मन्दिर की ओर से मानवता की सेवा का यह कार्य पूरी तरह निःशुल्क है। महावीर मन्दिर ट्रस्ट ने ऑक्सीजन प्लान्ट बिठाने के लिए पूरे देश में सम्पर्क किया, किन्तु किसी ने चार महीने के पहले इसे क्रियान्वित करने का आश्वासन नहीं दिया। अतः स्थानीय स्तर पर ऑक्सीजन सस्ते में प्रबंध कर मुफ्त वितरण का निर्णय लिया गया। प्रतिदिन जितनी

पटना के श्रीकृष्णानगर मुहल्ला निवासी 72 वर्षीय दीपक कुमार सिन्हा के परिजनों को पहला ऑक्सीजन सिलेंडर भरकर दिया गया।

ऑक्सीजन की प्राप्ति होगी उसी के अनुरूप वितरण किया जाएगा।

अभी हर दिन 150 ज़रूरतमंद रोगियों को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। अधिक मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध होने पर इसे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महावीर मंदिर का यह प्रयास कोरोना से लड़ाई में राम जी के सेतुबंध में गिलहरी की भूमिका जैसी सेवा होगी। आचार्य किशोर कुणाल ने बताया कि छोटा सिलेंडर ख़रीदने की बहुत कोशिश की गई लेकिन कहीं उपलब्ध न होने के कारण सिलेंडर का प्रबंध नहीं हो सका। इसलिए मरीज की ओर से 10.2 लीटर तक का खाली छोटा सिलेंडर लाने पर ही ऑक्सीजन दिया जा रहा है।

महावीर मंदिर न्यास सचिव ने ऑक्सीजन आपूर्ति में सहयोग के लिए संजय भरतिया का विशेष आभार व्यक्त किया। महावीर मन्दिर के निकास द्वार के निकट शुरू किए गए ऑक्सीजन वितरण कार्य का प्रभारी नैवेद्यम शाखा के प्रमुख रामचन्द्रन शेषाद्री को बनाया गया है। निःशुल्क ऑक्सीजन रिफिलिंग के इस सेवा कार्य में संजय सरकार, राजू कुमार, संतोष कुमार, विश्वजीत, चन्दन आदि सक्रिय रूप से जुड़े हैं।

ऑक्सीजन बुकिंग और वितरण की पूरी प्रक्रिया इस प्रकार है -

ऑक्सीजन सिलिंडर के लिए ऑनलाइन बुकिंग करना अनिवार्य है। ऑनलाइन ऑक्सीजन बुकिंग के बाद अपना बुकिंग स्टेटस चेक कर सकते हैं।

यह ऑक्सीजन पूर्णतः निःशुल्क मिलेगा। इसके लिए एक पैसा भी नहीं लिया जायेगा। रोगी का आधार कार्ड, मेडिकल पर्ची जिसमें ऑक्सीजन बुकिंग आईडी स्लिप हो उसे साथ लाना अनिवार्य है। ऑक्सीजन भरने में करीब 45 मिनट का समय लग सकता है, अतः अपना बुकिंग स्टेटस चेक कर दिए गए निर्धारित समय स्लॉट पर ही आएं। 10:30 बजे दिन में पहला वितरण होगा। गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में मिलने पर ही वितरण होगा।

सार समाचार

दिल्ली में एक हफ्ते और बढ़ा लॉकडाउन, केजरीवाल ने किया ऐलान

नयी दिल्ली। दिल्ली में लॉकडाउन की मियाद एक हफ्ते और बढ़ाई गई है। इस बात की जानकारी खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दी। दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में जारी लॉकडाउन की अवधि को एक सप्ताह बढ़ाने की घोषणा की। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, दिल्ली में लॉकडाउन एक और सप्ताह के लिए बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान लॉकडाउन की मियाद तीन मई को सुबह पांच बजे समाप्त होने वाली थी, जिसे एक सप्ताह बढ़ाया गया है।

अस्पतालों को मौजूदा अनुभवों से सीख ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने चाहिए: उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शनिवार को कहा कि अस्पतालों को कोविड-19 के बढ़ते मामलों की वजह से ऑक्सीजन की हुई कमी से सीख लेकरइस जीवन रक्षक गैस का उत्पादन करने वाले संयंत्र स्थापित करने चाहिए। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ ने कहा कि कुछ अस्पताल व्यावसायिक पहलुओं पर गौर करते हुए ऑक्सीजन संयंत्र जैसी चीजों पर पूंजीगत निवेश घटा देते हैं जबकि अस्पतालों के लिए खासतौर पर बड़े अस्पतालों के लिए यह आवश्यक है। पीठ ने कहा, '' ऑक्सीजन संयंत्र आवश्यक है और उनके पास यह नहीं होना गैर जिम्मेदाराना है।'' अदालत ने कहा, ''आपको (अस्पतालों को) अपने अनुभवों से भी सीखना चाहिए और संयंत्र स्थापित करने चाहिए।'' उन्न न्यायालय ने यह टिप्पणी छुट्टी के दिन दिल्ली में ऑक्सीजन और कोविड-19 संबंधी अन्य समस्याओं को लेकर दाखिल कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए की।

उत्तर प्रदेश के सात जिलों में 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का टीकाकरण आरंभ

जहां नौ हजार से अधिक उपचाराधीन मामले हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित अवंती बाई अस्पताल में पहुंच कर 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए कोरोना वायरस टीकाकरण अभियान शुरू किया। एक सरकारी प्रवक्ता में बताया गया कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अवंती बाई अस्पताल में 18 वर्ष के ऊपर के लोगों के लिए टीकाकरण अभियान की शुरुआत की। प्रवक्ता के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को निःशुल्क टीका उपलब्ध कराने के अभियान की शुक्रवार रात समीक्षा की और हैदराबाद से टीके की खेप मंगाई गई। अधिकारिक जानकारी के मुताबिक, जिन सात जिलों में 18 साल से अधिक आयु के लोगों के टीकाकरण की शनिवार को शुरुआत हुई, उनमें लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, मेरठ और बरेली शामिल हैं।

देश में अप्रैल के दौरान कोरोना वायरस के 66 लाख से अधिक मामले सामने आए

नयी दिल्ली। देश में अप्रैल के दौरान कोविड-19 के 66 लाख से अधिक नये मामले सामने आए जोकि पिछले साल महामारी की शुरुआत के बाद संक्रमण के मामलों को लेकर सबसे खराब महीना साबित हुआ है। अप्रैल महीने में दर्ज किए गए नए मामले पिछले छह महीनों में सामने आए मामलों से अधिक रहे जो कि संक्रमण की दूसरी लहर की गंभीरता को दर्शाता है। देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 3.86 लाख से अधिक नए मामले सामने आए जिसके साथ ही संक्रमित लोगों का अब तक का आंकड़ा बढ़कर 1,87,67,962 तक पहुंच गया जबकि मार्च के अंत तक मामलों की संख्या 1,21,49,335 थी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल के बाद से संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं। पांच अप्रैल से प्रतिदिन एक लाख से अधिक मामले सामने आने लगे जबकि 15 अप्रैल से इनकी संख्या प्रतिदिन दो लाख को पार कर गई और 22 अप्रैल से रोजाना तीन लाख से अधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि पिछले चार सप्ताह में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, झारखंड, पंजाब, मध्य प्रदेश और राजस्थान में परिस्थितियां अधिक चिंताजनक हुई हैं।

कोरोना टीका कार्यक्रम में सभी सरकारें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आगे आयें: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार से देश भर में 18 वर्ष से ऊपर के लोगों को कोविड-19 का टीका लगाए जाने की मुहिम में सभी सरकारों से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सामने आने और पूंजीपतियों से अभियान में आर्थिक सहयोग देने की अपील की है। बसपा प्रमुख ने शनिवार को अपने ट्वीट में कहा, 'देश में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाए जाने के आज से प्रारंभ हुए कार्यक्रम को सभी सरकारें दलगत राजनीति एवं स्वार्थ से ऊपर उठकर पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ सफल बनाने के लिए खुलकर सामने आऐं।'

केंद्र ने कहा कि सभी राज्यों को दिए थे कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने का आदेश

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने शनिवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि मार्च, 2021 में सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से किसी भी तरह की सभाओं में कोरोना संक्रमण निपटने के लिए बनाए गए प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने का आदेश दिया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाईकोर्ट को एक जनहित याचिका के जवाब में यह जानकारी दी है। याचिका में कोरोना महामारी के मद्देनजर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार द्वारा मास्क पहनने समेत जारी अन्य दिशानिर्देशों का बार-बार उल्लंघन करने वाले प्रचारकों और उम्मीदवारों को विधानसभा चुनाव में प्रचार करने पर रोक लगाने की मांग की गई है। जस्टिस विपिन सांघी और रेखा पल्ली की पीठ के समक्ष केंद्र सरकार की ओर से वकील अनुराग अहलुवालिया ने यह जानकारी दी। मांत्रालय की ओर से दाखिल हलफनामे में उन्होंने कहा कि 'सरकार ने आपदा प्रबंधन कानून-2005 के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी दिशानिर्देशों में हमेशा कोरोना प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रिया का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मंत्रालय ने पीठ को यह भी बताया कि 23 मार्च को कोविड-19 के प्रभावी नियंत्रण के लिए जारी दिशानिर्देशों में इस बात पर जोर दिया गया कि 'राज्यों को टेस्टिंग-ट्रैकिंग और ट्रीटमेंट (जांच करने, संक्रमितों के संपर्क में आने वालों का पता लगाने और उनका इलाज करने), कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने और स्कूलों, होटलों, रेस्टोरेंट, शॉपिंग मॉल, जिम आदि को खोलने के लिए निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया को सख्ती से लागू किया जाए।' केंद्र सरकार ने यह भी कहा है कि इसके अलावा राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को हालात के अपने आकलन के आधार पर जिला/ उपजिला, शहर/वार्ड स्तर पर स्थानीय पाबंदियां लगाने की छूट दी है। सरकार ने उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह की ओर से वकील विराग गुप्ता द्वारा दाखिल याचिका के जवाब में दिया है। याचिका में उन्होंने कहा है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान जनसभाओं, रैलियों और रोड शो में कोरोना प्रोटोकॉल के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं हो रहे हैं। याचिका में आरोप लगाया गया था कि चुनाव में स्टार प्रचारक और उम्मीदवार भी मास्क नहीं पहनन रहे हैं। इन राज्यों में चुनाव समाप्त होने के बाद पूर्व पुलिस महानिदेशक सिंह ने एक और याचिका दाखिल की है। इसमें भारतीय निर्वाचन आयोग को कोरोना संक्रमण के प्रोटोकॉल तोड़कर पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार करने वाले स्टार प्रचारकों/नेताओं के खिलाफ जुर्माना लगाने और मुकदमा दर्ज करने का आदेश देने की मांग की गई है। इसके अलावा याचिका में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को पिछले एक सप्ताह में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार में शामिल नेताओं को अनिवार्य तौर पर घर में क्वारंटाइन करने का आदेश देने की मांग की है।

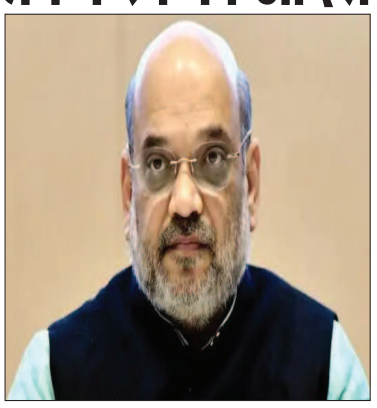

कोविड़-19 की भयावह स्थिति पर सेना की प्रयासों की राजनाथ सिंह ने की समीक्षा, भारतीय नौसेना ने भी झोंकी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में कोरोना के नए मामलों की रफ्तार बढ़ती जा रही है। इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वर्तमान सीओवीआईडी -19 स्थिति के खिलाफ लड़ाई में नागरिक प्रशासन का समर्थन करने के लिए रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों के प्रयासों की समीक्षा की। इस बात की जानकारी रक्षा मंत्रालय द्वारा साझा की गई। बता दें कि देश के तमाम हिस्सों में सेना के कैंटोनमेंट बोर्ड ने नागरिक प्रशासन के साथ राज्यों को कोरोना संक्रमण के कहर से उबारने के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। कैंटोनमेंट बोर्ड अपने चिकित्सा संसाधनों से सैन्यकर्मियों के साथ-साथ जरूरतमंद आम नागरिकों को भी मेडिकल सहायता मुहैया करा रहे हैं। वहीं, इस लड़ाई में भारतीय नौसेना भी आगे बढ़कर काम कर रही है।

ऑपरेशन 'समुद्र सेतु II' के तहत, 7 भारतीय नौसैनिक जहाजों (कोलकाता, कोच्चि, तलवार, तबर, त्रिकंद, जलाशवा और ऐरावत) को विभिन्न देशों के लिक्विड ऑक्सीजन से भरे क्रायोजेनिक कंटेनरों और संबंधित चिकित्सा उपकरणों के लदान के लिए तैनात किया गया है।

भारतीय नौसेना के मुताबिक, 'आईएनएस तलवार को बहरीन के मनामा पोर्ट भेजा गया। आईएनएस कोलकाता को दोहा, कतर की ओर रवाना किया गया।

बहरीन से आईएनएस तलवार 40 मीट्रिक टन लिक्विड ऑक्सीजन लेकर मुंबई के लिए रवाना हो चुका है। वहीं, आईएनएस कोलकाता पहले दोहा से चिकित्सा सामग्री उठाएगा और उसके बाद कुवैत से लिक्विड ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर भारत की तरफ रवाना होगा। इसके अलावा आईएनएस ऐरावत को भी डायवर्ट किया गया है।'

बताया गया कि आईएनएस ऐरावत सिंगापुर से लिक्विड ऑक्सीजन के कंटेनर लेकर भारत लौटेगा तो वहीं आईएनएस जलाश्व को स्टैंडबाय पर रखा गया है, जैसे ही सरकार की तरफ से कहा जाएगा तब यह जहाज मिशन के लिए रवाना हो जाएगा। बता दें कि आईएनएस जलाश्व को मेंटिनेंस से निकालकर ऑपरेशन में तैनात किया गया है।

केंद्र ने कहा, राज्यों के पास कोविड-19 टीके की करीब 79 लाख खुराकें उपलब्ध

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास कोविड-19 टीके की 79 लाख से अधिक खुराकें उपलब्ध हैं और अगले तीन दिनों में उन्हें करीब 17 लाख खुराकों की आपूर्ति की जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। शनिवार सुबह आठ बजे तक के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक केंद्र ने अब तक राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को करीब 16.37 करोड़ टीकों की खुराकें निःशुल्क उपलब्ध कराई हैं। इनमें से कुल उपयोग, बर्बाद हुई खुराकें मिलाकर, 15,58,48,782 खुराकें हैं। मंत्रालय ने कहा, '79,13,518 कोविड-19 टीके की खुराकें अब भी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास लगाने के लिए उपलब्ध हैं। इसके अलावा अगले तीन दिनों में राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को 17,31,110 खुराकें और उपलब्ध होंगी।'

मंत्रालय ने यह भी कहा कि केंद्र ने मई के पहले पखवाड़े में कोविशील्ड की 17,50,620 खुराकें और कोवैक्सीन की 5,76,890 खुराकें आवंटित की थी। इसने बताया कि इसी अवधि में दिल्ली को कोविशील्ड की 3,73,760 खुराकें और कोवैक्सीन की 1,23,170 खुराकें आवंटित की गई। वहीं, छत्तीसगढ़ को कोविशील्ड की 6,47,300 खुराकें और कोवैक्सीन की 2,13,300 खुराकें आवंटित की गई। बंगाल को कोविशील्ड की 9,95,300 खुराकें और कोवैक्सीन की 3,27,980 खुराकें आवंटित की गई। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश को कोविशील्ड की 13,49,850 खुराकें और कोवैक्सीन की 4,11,870 खुराकें आवंटित की गई और राजस्थान में कोविशील्ड की 12,92,460 और कोवैक्सीन की 4,42,390 खुराकें दी गईं। केरल को कोविशील्ड की 6,84,070 और कोवैक्सीन की 2,25,430 खुराकें दी गईं। पंजाब को कोविशील्ड की 4,63,710 और कोवैक्सीन की 1,52,810 खुराकें दी गईं। गुजरात को कोविशील्ड की 12,48,700 और कोवैक्सीन की 4,11,490 खुराकें आवंटित की गई।

राजस्थान सरकार ने 14 दिन के लिए आगे बढ़ायी कोरोना पाबंदियों, सभी बाजार व प्रतिष्ठान बंद

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए राज्य में मौजूदा जन अनुशासन पखवाड़े को और सख्त करते हुए इसे 14 दिन और विस्तार दिए जाने का फैसला किया है। इसके तहत अब 17 मई तक अनुमति प्राप्त दुकानों के अलावा सभी कार्यस्थल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान व बाजार बंद रहेंगे। राज्य के गृह विभाग ने शुक्रवार देर रात इस बारे में दिशा-निर्देश जारी किए। इसके अनुसार, राज्य में कोरोना के तेजी से बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देशों के बाद गृह विभाग ने तीन मई से 17 मई तक 'महामारी रेड अलर्ट-जन अनुशासन पखवाड़ा' घोषित किया है।

नई गाइडलाइन के अनुसार, सात मई दोपहर 12 बजे से 10 मई प्रातः पांच बजे तक व 14 मई दोपहर 12 बजे से 17 मई प्रातः 5 बजे तक 'वीकेंड कर्फ्यू रहेगा जबकि सोमवार से शुक्रवार प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से अगले दिन प्रातः पांच बजे तक सम्पूर्ण प्रदेश में 'महामारी रेड अलर्ट-जन अनुशासन कर्फ्यू रहेगा। इस कर्फ्यू के दौरान अनुमत श्रेणी के अलावा अन्य कोई व्यक्ति बिना किसी कारण के घूमता हुआ पाया गया तो उसे संस्थागत पृथक-वास में भेज दिया जाएगा। हालांकि, इस दौरान सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ, किराने का सामान, आटा चक्की, पशुचारे से संबंधित थोक व खुदरा दुकानें सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 6 से प्रातः 11 बजे तक ही खुल सकेंगी। किसानों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कृषि आदान विक्रेताओं की दुकानें/परिसर सोमवार व बृहस्पतिवार को इसी अवधि में खुलने की अनुमति होगी। ठेले, साइकिल, रिक्शा, ऑटो रिक्शा एवं मोबाइल वैन के माध्यम से सब्जियों एवं फलों का विक्रय प्रतिदिन प्रातः छह बजे से शाम पांच बजे तक की सीमा में अनुमत होगा।

जबकि डेयरी व दूध की दुकानों को प्रतिदिन प्रातः छह से प्रातः 11 वशाम पांच से शाम सात बजे तक खोलने की अनुमति होगी। मिठाई, बेकरी व रेस्त्रां इत्यादि दुकानें नहीं खोली जा सकेंगी। केवल होम डिलीवरी की सुविधा रात्रि आठ बजे तक ही अनुमत होगी। विवाह समारोह में अब 50 की जगह 31 व्यक्ति ही शामिल होंगे और विवाह समारोह केवल एक ही कार्यक्रम के रूप में अधिकतम तीन घंटे तक आयोजित किया जा सकेगा। निर्देशों में यह भी परामर्श दिया गया है कि 'महामारी रेड अलर्ट-जन अनुशासन पखवाड़ा' के दौरान शादी-समारोह का आयोजन स्थगित कर इन्हें बाद में आयोजित किया जाए ताकि संक्रमण पर रोक लगाई जा सके। वहीं, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को हालात की समीक्षा करते हुए कहा कि बढ़ते हुए संक्रमण के इस दौर में अत्यधिक सतर्कता रखने का समय है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने शुक्रवार रात को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य में ऑक्सीजन, टैंकर, आक्सीजन सांद्रक, रेमडेसिविर, टोसिलीजुमेब दवा सहित अन्य संसाधनों की उपलब्धता को लेकर समीक्षा की। गहलोत ने मुख्य सचिव सहित कोविड प्रबंधन में लगे नोडल अधिकारियों से संसाधनों की उपलब्धता को लेकर जानकारी ली तथा प्रयास और तेज करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने 19 अप्रैल (सोमवार) प्रातः पांच बजे से तीन मई प्रातः पांच बजे तक सम्पूर्ण राज्य में जन अनुशासन पखवाड़ा लागू किया था जिसके तहत अनिवार्य सेवाओं को छोड़कर बाकी दुकानें व प्रतिष्ठान पहले से ही बंद हैं।

मुख्यमंत्री अपना वाहवाही वाला चश्मा उतारते तो लोगों का दर्द दिखाई देता: अखिलेश

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त होने पर बधाई देते हुए उन पर तंज किया कि अगर वह अपना वाहवाही वाला चश्मा उतार कर देखते तो उन्हें परेशान लोगों का दर्द दिखाई देता। सपा मुख्यालय से शनिवार को जारी बयान में यादव ने कहा, मुख्यमंत्री जी कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त हुए हैं इसके लिए बधाई किन्तु दिक्कत यह है कि उन्होंने फिर अपना पुराना चश्मा पहन लिया है। उन्हें हर तरफ अमन चैन और सरकार की योजनाओं की धूम दिखाई देने लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने योगी पर निशाना साधा, वाहवाही वाला चश्मा उतर कर वह (योगी) देखते तो उन्हें जमीनी हकीकत में चारों तरफ हाहाकार और परेशान हाल लोगों के चेहरों पर दर्द दिखाई देता।

उन्होंने कहा, जब हालात इतने दर्दनाक हों तब मुख्यमंत्री का गेहूं खरीद और गन्ना पेराई संबंधी बयान जख्म को कुरेद देते हैं। कोरोना वायरस महामारी में कहां व्यापारिक गतिविधियां चल रही हैं, गेहूँ खरीद कई जिलों में बंद चल रही है, क्रय केंद्र खुल नहीं रहे हैं और जो खुले हैं खरीद के बजाय बोरियां कम होने, तौलमापक के खराब होने तथा भुगतान के लिए पैसा न होने के बहाने बना रहे हैं। यादव ने कहा, मुख्यमंत्री का नया एलान है कि जब तक खेतों में गन्ना रहेगा तब तक चीनी मिल चलेगी लेकिन यह एलान किसी हवाई कलाबाजी से कम नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस संकट काल में कितनी मिलें चल रही हैं यह भाजपा सरकार को बताना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने किसानों को सबसे ज्यादा उपेक्षा और यातना का शिकार बनाया है और इनके चार वर्ष के कार्यकाल में किसान को हर स्तर पर परेशानी उठानी पड़ रही है।

कोरोना से निपटने को लेकर राष्ट्रीय नीति पर राजनीतिक सर्वसम्मति बनाई जाए: सोनिया गांधी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में कोविड-19 के तेजी से बढ़ रहे मामलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने को लेकर एक राष्ट्रीय नीति पर राजनीतिक सर्वसम्मति बनाने की केंद्र से शनिवार को अपील की। गांधी ने वीडियो संदेश में कहा कि अब समय आ गया है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें जागें और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि कोविड-19 का टीका सभी नागरिकों को निःशुल्क लगाया जाना चाहिए और देश की टीकाकरण मुहिम को गति देने के मकसद से टीकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए लाइसेंस हासिल करने को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मैं केंद्र सरकार से अपील करती हूं कि देश में कोविड-19 संकट से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति तैयार की जाए और इसे लेकर राजनीतिक सर्वसम्मति बनाई जाए।'' उन्होंने कहा, ''अब समय आ गया है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें जागें और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।''

गांधी ने केंद्र सरकार से अपील की कि वह हर गरीब परिवार के खाते में छह-छह हजार रुपए पहुंचाए, ताकि मौजूदा संकट से निपटने में उन्हें मदद मिल सके। उन्होंने जांच बढ़ाने और आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं की काला बाजारी रोकने की अपील की। साथ ही युद्धस्तर पर अस्पतालों को ऑक्सीजन, चिकित्सा तथा अन्य उपकरण मुहैया कराने का भी अनुरोध किया। गांधी ने कहा कि टीकों के दामों को लेकर भेदभाव और जीवन रक्षक दवाओं की कालाबाजारी को बंद किया जाना चाहिये। औद्योगिक ऑक्सीजन चिकित्सा इस्तेमाल के लिये अस्पतालों को दी जानी चाहिये। गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ाई में केंद्र के साथ खड़ी रहेगी और उन्होंने सभी भारतीयों से इस मुश्किल समय में एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने महामारी के इन चुनौतीपूर्ण दिनों में भारतीयों के बेहतर स्वास्थ्य की भी कामना की और उन लाखों परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट की, जिन्होंने इस दौरान अपने प्रियजनों को खो दिया है। गांधी ने कहा, हमारा देश महामारी से जूझ रहा है। हमारे लाखों देशवासी रोजाना कोरोना वायरस की चपेट में आ रहे हैं। यह संकट हम सबके लिये परीक्षा का समय है। हमें एक दूसरे का हाथ पकड़कर एक-दूसरे का साथ देना है और हिम्मत बढ़ानी है।

मौजूदा दौर ने मानवता को आघात पहुंचाया है। कई राज्य बिस्तरों, ऑक्सीजन और जीवन रक्षक दवाओं की किल्लत का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने लोगों के बेवजह इधर-उधर न घूमने की अपील की। गांधी ने पांच मिनट के अपने वीडियो संदेश में कहा, मुझे भरोसा है कि आप कोविड-19 महामारी की गंभीरता को समझेंगे और एक नागरिक के तौर पर सहयोग देंगे। मैं आशा करती हूं कि देश जल्द ही इस संकट से बाहर निकल आएगा। उन्होंने अपनी जान खतरे में डालकर कोविड रोगियों का इलाज कर रहे सभी डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ तथा सभी स्वास्थ्य कर्मियों की सराहना की। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन में अब तक के सर्वाधिक चार लाख से अधिक नए मामले सामने आए हैं और उपचाराधीन मामलों की संख्या अब 32 लाख के पार हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण के 4,01,993 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 1,91,64,969 हो गई तथा 3,523 और लोगों की मौत होने के बाद कुल मृतक संख्या बढ़कर 2,11,853 हो गई।

सार समाचार

भारत में कोरोना वायरस की स्थिति को 'दुखदायी', मदद करने का किया है वादा : अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भारत में कोरोना वायरस की स्थिति को 'दुखदायी' बताते हुए कहा है कि अमेरिका ने इस चुनौती का मुकाबला करने में उसकी मदद करने का वादा किया है। हैरिस ने सिनसिनाटी, ओहायो में शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, ''इसको लेकर कोई सवाल ही नहीं है कि लोगों की जान जाने के संदर्भ में यह बड़ी त्रासदी है। जैसा मैंने पहले भी कहा है, एक बार फिर से कहूंगी कि हमने एक देश के तौर पर भारत के लोगों का समर्थन करने का उनसे वादा किया है।''
हैरिस ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हमने डॉलर राशि के संदर्भ में वादा किया है, जो पीपीई और अन्य चीजों के मद में जाएगी। लेकिन यह दुखद है। लोग जिस घोर पीड़ा से गुजर रहे हैं, उसमें मेरी प्रार्थना उनके साथ है।'' इससे पहले व्हाइट हाउस ने कोविड-19 के मामलों में काफी वृद्धि के मद्देनजर भारत से यात्रा पर पाबंदी लगाने की घोषणा की थी। हैरिस ने कहा कि प्रतिबंध की खबर सार्वजनिक होने के बाद से उन्होंने भारत में अपने परिवार से बातचीत नहीं की है।

भारत की मदद के लिए UNICEF ने भेजे 3,000 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी कोविड-19 की 'प्रलयकारी नयी लहर' से लड़ने में भारत की मदद करने के लिए 3,000 ऑक्सीजन सांद्रक, जांच किट और अन्य उपकरण समेत अहम जीवनरक्षक आपूर्तियां भेज रही है। यूनिसेफ ने यह भी कहा कि वह सभी आयु वर्गों को टीका देने के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम को गति देने में भी मदद कर रहा है। शुक्रवार को नियमित संवाददाता सम्मेलन के दौरान, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के उपप्रवक्ता फरहान हक ने महासचिव एंतोनियो गुतारेस के ट्वीट का संदर्भ दिया कि वह और संयुक्त राष्ट्र परिवार देश के लोगों के साथ कोविड-19 की इस भयावह स्थिति के दौरान एकजुटता से खड़ा है और संयुक्त राष्ट्र देश के प्रति अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है।
हक ने कहा कि भारत में संयुक्त राष्ट्र की रेजिडेंट समन्वयक रेनाटा लोक डेसालियन भी महासचिव की तरह विचार रखती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक यूनिसेफ पूर्वोत्तर भारत और महाराष्ट्र के अस्पतालों के लिए 25 ऑक्सीजन संयंत्रों की खरीद एवं स्थापना में मदद करने के साथ ही देश में प्रवेश के स्थानों पर थर्मल स्कैनर लगाने में मदद कर रहा है। इसमें कहा गया, यूनिसेफ और साझेदार सभी आबादी समूहों में समान रूप से टीका देने के लिए उसके राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम को गति देने के लिए सरकार का लगातार समर्थन कर रहे हैं।

कोरोना के मामलों में वृद्धि जारी रहने पर पाकिस्तान शहरों में लॉकडाउन लगाएगा : मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि अगर कोविड-19 के मामलों में वृद्धि जारी रही तो पाकिस्तान सरकार शहरों में लॉकडाउन लागू करने को मजबूर होगी। पाकिस्तान में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 8,20,823 मामले सामने आ चुके हैं जबकि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 131 और मरीजों की मौत के साथ ही मृतक संख्या बढ़कर 17,811 तक पहुंच गई। योजना मंत्री असद उमर ने चेताया कि संक्रमण की दर 15 फीसदी पार करने की सूरत में सरकार को शहरों में लॉकडाउन लागू करने को मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, चुनौती समाप्त नही हुई है जबकि इसकमें लगातार इजाफा हो रहा है। इस समय सावधानी बरतने के साथ ही मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करना बेहद जरूरी है। अगले कुछ सप्ताह काफी नाजुक हैं। अगर हम बीमारी को फैलने देते हैं तो कोई तंत्र इससे निपट नहीं सकता।

भारत की मदद के लिए जर्मनी ने अपनी सेना को उतारा, ऑक्सीजन प्लांट लगा बचाएंगे मरीजों की जिंदगी

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस से मचे हाहाकार को देखते हुए जर्मनी ने मदद के लिए अपनी सेना को उतार दिया है। जर्मनी की चांसलर एजेंला मार्केल ने पिछले सप्ताह एक बयान जारी कर भारत के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की थी। जिसके बाद अब वहां की सेना भारत की मदद के लिए उतर चुकी है। ऑक्सीजन की बढ़ती डिमांड को देखते हुए जर्मनी ऑक्सीजन प्लांट भारत भेज रहा है। वहीं, जर्मन वेंटिलेटर का एक बैच भी शनिवार को दिल्ली पहुंचने वाला है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक एक खास बातचीत में जर्मन कर्नल डॉ थोरस्टेन वेबर ने कहा कि ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र भारत में भेजा रहा है और जब तक इसकी आवश्यकता होगी तब तक यह देश में रहेगा।

कोविड-19 : अमेरिकी सांसदों ने भारत को मदद देने के लिए बाइडन प्रशासन की प्रशंसा की

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

वाशिंगटन। भारत में कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अमेरिकी सांसदों ने देश को 10 करोड़ डॉलर की मदद देने के लिए बाइडन प्रशासन की प्रशंसा की है। कांग्रेस सदस्य टॉम सूजी ने कहा, 'भारत में स्थिति गंभीर एवं बहुत ज्यादा दिल दुखाने वाली है।' सीनेट के सदस्य कोरी बूकर ने ट्वीट किया, 'हम यह नहीं भूल सकते कि यह एक वैश्विक महामारी है। हमें दूसरे देशों की कोविड-19 से लड़ने के लिए जरूरी टीके एवं आपूर्ति प्राप्त करने में मदद करनी होगी। यह राष्ट्रपति बाइडन का सही कदम है क्योंकि भारत (वायरस के) अनियंत्रित प्रसार और निराश करने वाली कमियों से जूझ रहा है।'

सूजी ने कहा, 'कोविड-19 मामलों की नयी लहर से लड़ रहे भारत के साथ हमारी एकजुटता प्रदर्शित करते हुए, बाइडन प्रशासन ने 10 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्य की आपूर्ति की प्रतिबद्धता जताई है जिसमें अत्यावश्क ऑक्सीजन एवं संबंधित उपकरण, पीपीई और अग्रिम मोर्चे के स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सहायता, जांच एवं टीका उत्पादन आपूर्ति, दवाइयां और जनस्वास्थ्य सहयोग शामिल है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका सरकार की सहायता उड़ानों ने शुक्रवार से भारत पहुंचना शुरू कर दियाऔर ये अगले हफ्ते भी जारी रहेंगी। सूजी ने कहा, ÷हमारा भारतीय अमेरिकी समुदाय वहां घर पर अपने परिवार एवं दोस्तों को लेकर भयभीत एवं चिंतित है। हम एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और भारत के लोगों को हमारे देश की मानवीय सहायता के साथ ही हमारी प्रार्थनाओं की भी जरूरत है।'

भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने कहा कि यह वैश्विक महामारी है और जब तक इस वायरस को हर जगह से खत्म नहीं कर दिया जाता, कोई भी इससे उबर नहीं सकता है। जयपाल ने कहा, ÷भारत को हमारी मदद की जरूरत है और यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इस कठिन स्थिति से उबरने में सफल हों।÷ मदद का हाथ बढ़ाते हुए विमानन कंपनी बोइंग ने कोविड-19 के खिलाफ भारत की जंग को समर्थन देने के लिए एक करोड़ डॉलर के आपातकालीन सहायता पैकेज की शुरुवार को घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि बोइंग की तरफ से यह मदद राहत कार्यों में लगे संगठनों को भेजी जाएगी जिसमें चिकित्सीय आपूर्ति एवं कोविड-19 से जूझ रहे समुदायों एवं परिवारों के लिए आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा देना भी शामिल है। बोइंग ने कहा कि वह स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहायता संगठनों के साथ साझेदारी कर और चिकित्सीय, सरकारी एवं जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर उन इलाकों में यह एक करोड़ डॉलर की मदद भेजेगी जिन्हें सबसे ज्यादा जरूरत होगी। इससे पहले मास्टरकार्ड ने भी भारत को एक करोड़ डॉलर की मदद देने की घोषणा की थी।

उधर, बाइडन प्रशासन ने यह भी कहा कि भारत में कोविड-19 की स्थिति भले ही भयावह हो लेकिन कोरोना वायरस के मामले अब भी चरम पर नहीं पहुंचे हैं। वैश्विक कोविड प्रतिक्रिया एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए विदेश मंत्रालय के समन्वयक गेल ई स्मिथ ने संवाददाताओं से कहा, 'भारत में वायरस के मामले बढ़ने से स्थिति अत्यंत गंभीर है। भारत में लगभग हर दिन मामले बढ़ रहे हैं। मुझे भय है कि यह संकट अब भी अपने चरम पर नहीं पहुंचा है।' स्मिथ ने कहा कि मामले उस वक्त चरम पर कहे जाते हैं जब लोगों के संक्रमित होने, उनके बीमार होने और उनके इलाज के बीच एक अंतराल होता है। उन्होंने कहा, ''इस समस्या पर कुछ समय के लिए तत्काल एवं लगातार ध्यान देने की जरूरत है। इसलिए हमने ऑक्सीजन, पीपीई, टीका उत्पादन आपूर्ति, जांच एवं अन्य महत्वपूर्ण आपूर्तियों पर तत्काल ध्यान दिया है।'' अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला देवी हैरिस ने भारत में कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति को 'त्रासदी' करार दिया और कहा कि उन्होंने इस चुनौती से लड़ने के लिए देश को मदद देने की प्रतिबद्धता जताई है।

हैरिस ने शुक्रवार को ओहियो के सिनसिनाती में संवाददाताओं से कहा, 'इसमें कोई शक नहीं है कि यह मृतकों

के लिहाज से बड़ी त्रासदी है और जैसा कि मैंने पहले भी कहा है और फिर कहूंगी कि एक राष्ट्र के तौर पर हमने भारत के लोगों की मदद के लिए प्रतिबद्धता जताई है।' इससे पहले व्हाइट हाउस ने भारत में 'कोविड-19 के बहुत ज्यादा मामलों' और वायरस के बहुत से प्रकारों के मिलने के चलते भारत से यात्रा पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। हैरिस ने कहा कि प्रतिबंधों की खबर सार्वजनिक होने के बाद से वह भारत में अपने परिवार से बात नहीं कर पाई हैं।

लंदन जाकर सीरम सीईओ का बड़ा आरोप, भारत में शक्तिशाली लोग कर रहे परेशान, नहीं जाना चाहता वापस

लंदन। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के रोजाना रिकॉर्ड मामले सामने आने के बीच देश में वैक्सीनेशन अभियान का तीसरा फेज शनिवार से शुरू हो गया। देश में लगातार वैक्सीन की मांग बढ़ती जा रही है। इस बीच, कोविशील्ड वैक्सीन का प्रोडक्शन करने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के प्रमुख अदार पूनावाला ने वैक्सीन की डिमांड के लिए बढ़ते दबाव को लेकर बातचीत की है। ब्रिटेन में पूनावाला ने यह भी आरोप लगाया है कि वैक्सीन को लेकर भारत के कई शक्तिशाली लोग उन्हें परेशान कर रहे हैं। पूनावाला को हाल ही में केंद्र सरकार ने वाई श्रेणी की सुरक्षा भी मुहैया करवाई है।

'आक्रामक रूप से कॉल कर मांग रहे वैक्सीन'

सिक्योरिटी मिलने के बाद पहली बार इस बारे में बात करते हुए अदार पूनावाला ने 'द टाइम्स' को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि भारत के पावरफुल लोग आक्रामक रूप से कॉल करके कोविशील्ड वैक्सीन की मांग कर रहे हैं। मालूम हो कि कोविशील्ड पहली वैक्सीन है, जिसे डीसीजीआई ने कोरोना के इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी थी। कोविशील्ड का उत्पादन दुनिया की वैक्सीन बनाने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कर रही है।

बेटी और पत्नी के साथ यूके गए पूनावाला

एसआईआई के प्रमुख ने बताया कि इसी दबाव की वजह से वह अपनी बेटी और पत्नी के साथ लंदन आ गए हैं। 40 वर्षीय पूनावाला ने कहा, 'मैं यह अतिरिक्त समय तक इसलिए रुका हूं, क्योंकि मैं उस स्थिति में फिर से जाना नहीं चाहता। सबकुछ मेरे कंधे पर आ गया है, लेकिन मैं अकेले कुछ नहीं कर सकता। मैं ऐसी स्थिति में नहीं रहना चाहता, जहां आप अपना काम कर रहे हों, और आप एक्स, वाई या जेड की मांगों की सप्लाई को पूरा नहीं कर सकें। यह भी नहीं पता हो कि वे आपके साथ क्या करने जा रहे हैं।'

'सभी को लगता है कि उन्हें वैक्सीन मिलनी चाहिए'

उन्होंने कहा, 'उम्मीद और आक्रामकता का स्तर वास्तव में अभूतपूर्व है। यह भारी है। सभी को लगता है कि उन्हें टीका मिलना चाहिए। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि किसी और को उनसे पहले क्यों मिलना चाहिए।' पूनावाला ने इंटरव्यू में संकेत दिया कि उनका लंदन का कदम भारत के बाहर के देशों में वैक्सीन निर्माण का विस्तार करने की व्यावसायिक योजनाओं से भी जुड़ा हुआ है, जिसमें ब्रिटेन उनकी पसंद हो सकता है। जब भारत के बाहर टीके निर्माण को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'अगले कुछ दिनों में बड़ा ऐलान होने जा रहा है।' अखबार के अनुसार, इस साल जनवरी में ऑक्सफोर्ड / एस्ट्राजेनेका वैक्सीन को मंजूरी दी गई थी, तब तक सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने 80 करोड़ अमरीकी डॉलर की लागत से अपनी वार्षिक उत्पादन क्षमता 1.5 से 2.5 बिलियन खुराक तक बढ़ा दी थी और पांच करोड़ खुराक का प्रोडक्शन भी कर लिया था।

कोविशील्ड पर ज्यादा मुनाफा कमाने के आरोप पर क्या बोले अदार?

कंपनी ने वैक्सीन ब्रिटेन सहित 68 देशों को निर्यात करना शुरू कर दिया था। हालांकि, इसी दौरान भारत में कोरोना से स्थिति खराब होने लगी। पूनावाला ने 'टाइम्स' इंटरव्यू में कहा, 'हम वास्तव में सभी मदद करने के लिए हांफ रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि भगवान भी पूर्वानुमान लगा सकते थे कि ऐसा होने वाला था।' वहीं, ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए कोविशील्ड की कीमत को बढ़ाए जाने के आरोप को नकारते हुए पूनावाला ने कहा कि यह पूरी तरह से गलत है। उन्होंने इस वैक्सीन को ग्रह पर सबसे सस्ती वैक्सीन बताया। उन्होंने कहा, 'हमने मुनाफाखोरी करने के बजाय जो भी बेहतर हो सकता था, वह किया है। मैं इतिहास के लिए प्रतीक्षा करूंगा।'

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से लोगों के आने पर रोक लगाई, उल्लंघन करने पर 5 साल का कैद

मेलबर्न (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने भारत से आने वाले यात्रियों पर अस्थायी रोक लगा दी है और अगर ऑस्ट्रेलियाई नागरिक भी इसका उल्लंघन करते हैं तो उन्हें पांच साल की कैद और 66 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का भारी-भरकम जुर्माना हो सकता है।

अस्थायी रोक सोमवार से लागू हुई और यह उन यात्रियों पर लागू होगा जो ऑस्ट्रेलिया आने को इच्छुक हैं और 14 दिनों में भारत की यात्रा की है। सिडनी से प्रकाशित हेराल्ड अखबार की खबर के मुताबिक अनुमान है कि भारत में इस समय करीब नौ हजार ऑस्ट्रेलियाई हैं और उनमें से 600 को असुरक्षित के तौर पर वर्गीकृत किया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को फैसले की घोषणा की। इसका मकसद ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस के वायरस को रोकना है जबकि भारत में कोविड-19 के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने बताया कि यह फैसला भारत में संक्रमित और विदेश से ऑस्ट्रेलिया आए यात्रियों और पृथकवास में रखे गए के अनुपात के आधार पर है।

ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) ने उनके हवाले से बताया कि भारत से आने वाले यात्रियों में %अप्रबंधन करने योग्य संक्रमितों की संख्या की वजह से यह कदम उठाया गया। खबर के मुताबिक यात्रा प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर पांच साल कैद की सजा हो सकती या 66 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना या दोनों हो सकता है।

चीन से लगवाए बिजलीघर, अब कर्ज पर गिड़गिड़ा रहा पाकिस्तान, चिनफिंग से की यह अपील

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

कर्जों के बोझ तले दबा पाकिस्तान तीन अरब डॉलर (करीब 22 हजार करोड़ भारतीय रुपये) के कर्ज की वापसी के लिए समय बढ़ाने को चीन से गिड़गिड़ा रहा है। यह कर्ज चीन-पाकिस्तान इकोनोमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के अंतर्गत आने वाली बिजली परियोजना से संबंधित है। पाकिस्तान चाहता है कि उसे कर्ज चुकाने के लिए 10-12 साल का समय मिल जाए।

इमरान खान सरकार महंगाई और अन्य समस्याओं के चलते इस समय विपक्ष के निशाने पर है। वह नहीं चाहती की बिजली की दरों में भारी बढ़ोतरी कर वह विपक्ष को हमले का एक मुद्दा और दे दे। इसलिए वह चीन से कर्ज चुकाने के समय में बढ़ोतरी की मांग कर रही है। यह जानकारी पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने दी है।

प्रधानमंत्री के ऊर्जा मामलों के विशेष सहायक ताबिश गौहर ने बताया है कि पाकिस्तान को चीन की 12 निजी कंपनियों को तीन साल के भीतर तीन अरब डॉलर का भुगतान करना है। इन कंपनियों ने पाकिस्तान की बिजली परियोजनाओं में निवेश कर रखा है।

पाकिस्तान सरकार ने इस कर्ज को 10 से 12 साल में वापस करने का अनुरोध चीन सरकार से किया है। इससे पाकिस्तान सरकार को बिजली मूल्य में एक साथ 1.50 पाकिस्तानी रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोतरी करने की आवश्यकता से छूट मिल जाएगी। इसकी जगह वह बिजली मूल्य में कम बढ़ोतरी करेगी और कर्ज को धीरे-धीरे चुकता करेगी।

उल्लेखनीय है कि चीनी कंपनियों ने सीपीईसी के अंतर्गत दो दर्जन विद्युत संयंत्र पाकिस्तान में लगाए हैं और समझौते के अनुसार उनमें लगे धन की वापसी जनता से वसूले जाने वाले बिजली मूल्य से होनी है। इसीलिए पाकिस्तान सरकार पर बिजली मूल्य में भारी बढ़ोतरी का दबाव है। प्रधानमंत्री के विशेष सहायक ने कहा, हम अपने मित्र देश को किसी तरह की मुश्किल में नहीं डालना चाहते लेकिन असलियत यह है कि चीनी कंपनियों को भुगतान होने वाली किस्तों की आधी धनराशि तो चीन की अन्य परियोजनाओं से ही वसूली की जानी है। क्योंकि इन विद्युत संयंत्रों की बिजली का उन्हीं परियोजनाओं में इस्तेमाल हो रहा है।

कोरोना: जयशंकर ने थाईलैंड, सिंगापुर, नार्वे के विदेश मंत्रियों से बातचीत की

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोविड-19 की दूसरी लहर से भारत की जंग को लेकर थाईलैंड, सिंगापुर और नार्वे के अपने समकक्षों के साथ टेलीफोन पर अलग अलग बातचीत की। भारत में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के कारण भारत के कई हिस्से गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। थाईलैंड के विदेश मंत्री दोन परामुदविनई के साथ बातचीत के बाद जयशंकर ने कहा कि भारत को विश्वास है कि वह थाईलैंड के साथ अपनी साझेदारी पर भरोसा करना जारी रख सकता है। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'कोविड-19 चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बारे में थाईलैंड के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री दोन परामुदविनई के साथ चर्चा की। क्रायोजेनिक टैंक एवं ऑक्सीजन से संबंधित अन्य उपकरणों की आपूर्ति की सराहना की। उन्होंने कहा, ' विश्वास है कि थाईलैंड के साथ अपने गठजोड़ पर भरोसा करना जारी रख सकते हैं।' गौरतलब है कि थाईलैंड ने भारत को तोहफे के रूप में 15 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर की आपूर्ति की जबकि दक्षिण पूर्वी एशिया में भारतीय समुदाय के लोगों ने अलग से 15 आक्सीजन सांद्रक की खेप भेजी। दिल्ली के लिए चिकित्सा आपूर्ति रायल थाई एयर फोर्स के विमान से लाया गया और इससे भारत में थाईलैंड के दूतावास के कुछ अधिकारियों को भी ले जाया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि इंडियन एसोसिएशन आफ थाईलैंड की ओर से अलग से 100 आक्सीजन सिलिंडर की पेशकश की गई है। इनके भारत में तेजी से लाने के लिये कदम उठाये जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, 'करीबी नौवहन पड़ोसी के साथ ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत बना रहे। आसियान में हमारे सहयोगी तथा मित्र थाईलैंड से 15 आक्सीजन सांद्रक के तोहफे का स्वागत है। अतिरिक्त 15 आक्सीजन सांद्रक देने के लिये थाईलैंड में भारतीय समुदाय को धन्यवाद।'

भारत की मुखर विदेश नीति का अमेरिका ने भी माना लोहा, मोदी के नेतृत्व में देश ने हर मोर्चे पर दिखाई अपनी ताकत

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत ने 2020 में अपनी विदेश नीति से पूरे विश्व में धाक जमाई है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस साल मुखर होकर और मजबूती के साथ निर्णय लिए गए । फिर वो चाहे चीन का मामला हो या हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा देने का। पाकिस्तान को करारा जवाब देने का हो या फिर रक्षा उत्पादन का।

अमेरिकी इंटेलीजेंस एजेंसी ने संसद में भारत की विदेश नीति को सराहा

अमेरिका के डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी के निदेशक स्कॉट बेरियर ने संसद में विश्व की चुनौतियों को लेकर सुनवाई के दौरान भारत की विदेश नीति को सराहा। डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी ने कहा कि नई दिल्ली चीन के मामले में भी सख्त रही है। सीमा विवाद पर उसने चीन के साथ पूरी मजबूती बनाए रखी।

मोदी सरकार ने 2020 में विदेश नीति के मामले में हर मोर्चे पर पूरी दृणता दिखाई दी

भारत की सख्ती के कारण ही चीन से उसके संबंध में तनाव आया, लेकिन भारत ने मजबूती से चीन पर व्यापारिक प्रतिबंध लगाए, मोबाइल एप बैन कर दीं। 2020 के पूरे साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार विदेश नीति के मामले में हर मोर्चे पर पूरी दृणता दिखाई है।

बेरियर ने कहा- भारत ने आतंकवाद के रहते पाक से राजनयिक वार्ता करने से किया इन्कार

बेरियर के अनुसार भारत पाकिस्तान की सीमा पर भी मुखर बना रहा और उसने आतंकवाद के रहते राजनयिक वार्ता करने से इन्कार कर दिया। उसने कश्मीर में अपने मजबूत इरादों को स्पष्ट कर दिया। अपनी नीतियों को ताकत देने के लिए भारत ने सेना के विकास पर भी पूरा ध्यान दिया।

भारत कर रहा सेना का तेजी से विकास

नई दिल्ली थल, वायु और नौसेना का तेजी से विकास कर रहा है। उसने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत ने देश में डिफेंस इंडस्ट्री को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। भारत निरंतर हाइपर,बैलिस्टिक, क्रूज और एयर डिफेंस मिसाइल की क्षमता को भी बढ़ा रहा है।

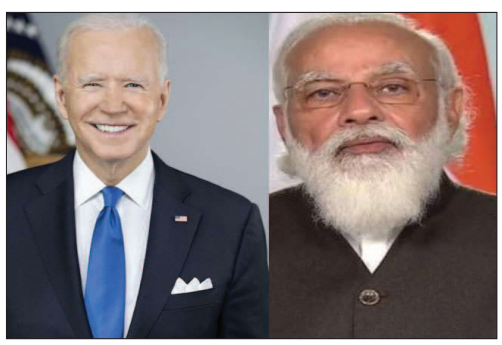

संपादकीय

परिपक्व रुख की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को चेताया है कि वे नागरिकों को अपनी तकलीफें सार्वजनिक करने के लिए प्रताड़ित न करें। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने ऐसी खबरों का खुद ही संज्ञान लिया है, जिनके मुताबिक राज्य सरकारें उन लोगों या संस्थानों को सजा देने की बात कर रही हैं, जो इलाज न मिलने या ऑक्सीजन की कमी होने की बात सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने खुद भी सवाल उठाया है कि मरीजों या उनके परिजनों को दवाओं के लिए यहां-वहां क्यों भटकना पड़ रहा है? दरअसल, कोविड-19 में इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाएं आयात होती हैं और अचानक उनकी जरूरत बढ़ जाने पर आयात बढ़ाने व वितरण सुनिश्चित करने जैसे कदम उठाने में देर हो गई। यह सही है कि मीडिया या सोशल मीडिया पर कभी कुछ सनसनीखेज या भ्रामक बातें आ जाती हैं, लेकिन ऐसी बातों को रोकने के लिए अगर गैर-जरूरी सख्ती दिखाई जाती है, तो इससे नुकसान ज्यादा होता है। इससे एक तो लोग अपनी वास्तविक तकलीफ भी बताने से डर सकते हैं और इस बात की आशंका भी बढ़ जाती है कि प्रशासन में बैठे लोग ऐसे आदेशों का दुरुपयोग अपनी कमजोरी छिपाने के लिए कर सकते हैं। मीडिया या सोशल मीडिया पर संवाद के जरिए सूचना व सहायता का जो स्वत:स्फूर्त तंत्र विकसित हुआ है, वह कई तरह से लोगों की मदद कर रहा है और एक मायने में प्रशासन का हाथ भी बंटा रहा है। इसलिए उसे हतोत्साहित करना ठीक नहीं है। दुनिया तेजी से बदल रही है, लेकिन प्रशासन के कई तौर-तरीके पुराने हैं। मसलन, यह पुरानी सोच है कि कोई आपदा आए, तो सूचना को नियंत्रित करने के बारे में सोचा जाए, जैसे सौ साल पहले युद्ध या महामारी के दौर में तुरंत सेंसरशिप लगा दी जाती थी। पहले महायुद्ध के आखिरी दौर में सेंसरशिप की वजह से ही स्पेनिश फ्लू की खबरें प्रचारित नहीं हो पाईं और वह फैलती चली गई। बाद में भी सूचनाओं की कमी की वजह से उसके बारे में जानकारी जुटाना मुश्किल बना रहा और इसीलिए उसे 'भूला दी गई महामारी' की संज्ञा मिली। उस दौर में तो सूचना के साधन कम थे, इसलिए उन्हें नियंत्रित करना आसान था, लेकिन सूचना क्रांति के बाद यह काम व्यावहारिक रूप से भी बहुत कठिन है। वैसे भी, आधुनिक इतिहास से यही समझ आता है कि ऐसे नियंत्रण से नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि पाबंदी होती है, तो बेसिर-पैर की अफवाहों का खतरा बढ़ जाता है, जो ज्यादा घातक हो सकती हैं। खास तौर पर महामारी जैसी आपदा के दौर में पारदर्शिता और जनता को विश्वास में लेना सबसे अच्छी नीति है। इस आपदा से सरकार और जनता को मिलकर निपटना है, और अगर दोनों में विश्वास का रिश्ता होगा, तो यह सहयोग ज्यादा पुख्ता होगा। यह सही है कि लोग बहुत तकलीफ में हैं और उनकी तकलीफ सरकारों के प्रति गुस्से के रूप में फूट रही है। लेकिन परिपक्व प्रशासकों को इसे बर्दाश्त करना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि लोग सरकार से नाराज हैं, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि उनका सरकार या व्यवस्था से भरोसा उठ चुका है। यदि सरकारें अपनी गलतियों या सीमाओं को स्वीकार करती हैं और जनता के गुस्से को स्वाभाविक मानकर बर्दाश्त करती हैं, तो इससे स्थिति सुधारने में सहयोग मिलेगा। जो हमारा साझा संकट है, उससे इसी तरह पार पाया जा सकता है।

गांव को हॉटस्पॉट बनने से बचाइए

आर. कुमार

कुछ महीने पहले तक, जब कोविड-19 दुनिया में अन्य जगहों पर कहर बरपा रहा था तो भारतीयों को लगने लगा था कि वायरस उनको बख्श कर विदेशों की ओर हो लिया है। अफसोस कि कोविड-19 ने इस बार मानो कसर निकालने वाली वापसी की है। नित दिन संक्रमित और मौतों की संख्या पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। सूची में भारत पहले ही ब्राजील को पछाड़कर विश्वभर में अमेरिका के बाद दूसरे पायदान पर पहुंच चुका है। रोजाना लगभग 3 लाख से ज्यादा पॉजिटिव मामले सामने आ रहे हैं। स्थिति इसलिए बिगड़ रही है क्योंकि दूसरी लहर में अब बच्चे और युवा भी संक्रमित हो रहे हैं और उनमें वायरस के लक्षण अधिकांशत: सौम्य नहीं हैं। वर्ष 1919 में आई स्पैनिश फ्लू महामारी से मिले सबक से यह सबको पता है कि किसी महामारी में आने वाली दूसरी-तीसरी लहर पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा घातक होती है। जैसे-जैसे दूसरी लहर के साथ मानवीय जानें ज्यादा जाने लगी हैं वैसे-वैसे भारतीय शहरों में स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की भारी कमी होने होने लगी है-ऑक्सीजन, दवाएं, बिस्तर, वेंटिलेटर, वैक्सीन, यहां तक कि श्मशान घाट में दाह संस्कार की जगह भी। डॉक्टर और अन्य कोविड योद्धा भी मरने लगे हैं या नौकरी छोड़ने की सोच रहे हैं, वे पहले ही लंबी लड़ाई से थककर चूर हैं, हताश हैं, कई तो भड़की भीड़ के हाथों बेइज्जती या मार तक झेल चुके हैं। भारत का शहरी स्वास्थ्य तंत्र तो पहले ही कोविड के भार से चरमराया पड़ा है, जबकि ग्रामीण सेवाएं की जरूरतें सिरे से नजरअंदाज़ हैं। मीडिया और राजनेता महानगरीय अस्पतालों में बिस्तरों की कमी को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप में उलझे पड़े हैं। किसी एक ने ग्रामीण भारत में आसन्न कयामत को लेकर बयान तक नहीं दिया, जहां स्वास्थ्य सेवा ढांचा लगभग नगण्य है। ग्रामीण अंचल में प्रति 10000 व्यक्तियों पर अस्पताल बिस्तर उपलब्धि की औसत केवल 2-3 ही है। इसके अलावा जितने अस्पताल हैं भी, उनमें प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, आईसीयू, विशेषज्ञ डॉक्टर, अतिरिक्त देखभाल संस्थान या अत्याधुनिक एम्बुलेंस नदारद हैं। गांवों में व्याप्त अज्ञानता और गरीबी के चलते वहां आज भी लोगों का जमावड़ा लगना आम बात है, चाहे यह कोई धार्मिक सभा-उत्सव हो या चुनाव या धरने-प्रदर्शन। लांसेट संस्थान की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जून के पहले हफ्ते में कोविड की वजह से मौतों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि देखने को मिलेगी, भले ही इस बीच मृत्यु दर 1.3 से घटकर 0.87 होगी। भारत के ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा तंत्र और जागरूकता में निवेश करने की जरूरत फौरी और अति आवश्यक है। वैक्सीन अभियान को अब ग्रामीण अंचल पर केंद्रित करना होगा। हाल-फिलहाल भारत की लगभग 9 प्रतिशत जनसंख्या को वैक्सीन की पहली या दोनों खुराकें लग पाई हैं। सरकार ने 1 मई से 18 साल से ऊपर वालों को भी वैक्सीन लगवाने की इजाजत दे दी है। तथापि भारतीय वैक्सीन निर्माता (कोवैक्सीन और कोविशील्ड) की उत्पादन क्षमता 70-80 लाख टीके प्रति माह है। यदि इसकी 100 प्रतिशत आपूर्ति केवल देश में ही इस्तेमाल की जाए, तब भी रोजाना 50 लाख टीके लगाने के ध्येय के मुताबिक कुल मासिक उपलब्धि आधी रहेगी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का कहना है: 'सरकार को वैक्सीन निर्माताओं को अनिवार्य लाइसेंस, धन और अन्य सहायता उपलब्ध करवाकर उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी करने में मदद करनी चाहिए।' केंद्र सरकार ने आपातकालीन उपायों के तहत उन वैक्सीनों को मंजूरी दे दी है, जिन्हें विश्व के अन्य देशों में प्रभावशीलता, सुरक्षा और अन्य मानकों पर नियामकों की हरी झंडी मिल चुकी है। इनमें रूस की स्पूतनिक 5, फाइज़र-बायोटेक, मॉडर्ना और जॉनसन एंड जॉनसन के नाम शामिल हैं। भले ही वैक्सीन स्वीकार्यता में बढ़ोतरी हुई है, फिर भी अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों में पहले चरण में केवल 37 प्रतिशत को ही टीका लग पाया है और इनमें भी दूसरे चरण के योग्य पात्रों में 57 फीसदी को दूसरी खुराक अभी लगनी है। कोविड-19 की वैक्सीन को लेकर फैली विभिन्न भ्रांतियों की वजह से लोगों में टीका लगवाने को लेकर बनी असमंजसता और डर की वजह से स्थिति और बिगड़ी है। वायरस के रूपांतरों की समय रहते शिनाख्त करने के लिए जीनोम सीक्वेंसिंग करने में तेजी लानी होगी। जहां कहीं भी कोविड केस हों, हमें तुरंत परीक्षण और संपर्क में आए सभी लोगों की त्वरित ट्रेसिंग करके कोविड पॉजिटिव मिले लोगों को एकांत में रखना होगा। संयुक्त रणनीति के तहत टीका अभियान चलाने और संक्रमण की कड़ी तोड़ने की जरूरत है। ग्रामीण भारत में, बहते पानी की कमी की वजह से हाथ होने जैसे मामूली रोकथाम उपाय भी एक चुनौती की तरह हैं। तिस पर 'दो गज की दूरी... मास्क है जरूरी' की पालना तो सिरे से नदारद है। सरकार को यदि आसन्न प्रलयंकारी स्थिति बनने से रोकनी है तो ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की दशा को वरीयता से तत्काल उपाय करने होंगे। इसमें कोविड संबंधित ही नहीं, अन्य संबंधी स्वास्थ्य सेवाएं भी शामिल हैं। लांसेट संस्थान की रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय भाषा में कहें तो भारत को सितम्बर, 2021 तक कोविड आपदा की वजह से 7.8 खरब डॉलर से ज्यादा परीक्षण (टेस्टिंग) पर तो 1.8 खरब डॉलर स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं पर खर्च करने पड़ेंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने चेतावनी दी है कि कोरोना का अगला हॉटस्पॉट ग्रामीण भारत अंचल हो सकता है और उन्होंने समय रहते प्राथमिक स्वास्थ्य तंत्र को सुदृढ़ और विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया है। भारत का ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा ढांचा कोविड-19 संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए पर्याप्त और तैयार नहीं है, खासकर उत्तर भारत के ज्यादा जनसंख्या घनत्व वाले सूबों में, क्योंकि वहां पहले ही डॉक्टरों, अस्पताल, बिस्तर और उपकरणों की कमी है। यहां तक कि गांवों में जागरूकता बनाने और टीकाकरण के लिए सुविधा जुटाने की भी कमी है। परीक्षण सुविधाओं में कमी, कमजोर जांच व्यवस्था और सबसे ऊपर निम्नस्तरीय स्वास्थ्य सेवा ने कोविड महामारी से बनी चुनौती को विकराल कर डाला है। ग्रामीण अंचलों से लोगों को बीमारी का विशेषज्ञ इलाज पाने के लिए लंबा सफर और काफी पैसा खर्च करके शहरों का रुख करना पड़ता है। तकनीक यहां हमारी कुछ मदद कर सकती है। ई-संजीवनी नामक बाह्य रोगी विभाग व्यवस्था के जरिए ग्रामीण क्षेत्र के डॉक्टर भी अपने शहरी समकक्षों से विशेषज्ञ सलाह पा सकते हैं। कोविड संक्रमित व्यक्ति की ट्रेसिंग और निगरानी वाली एप्लीकेशन की मदद से किसी व्यक्ति का अथवा सरकार द्वारा डाटा इकट्ठा कर सावधानी-संहिता का पालन करवा फैलाव को नियंत्रित किया जा सकता है। ग्रामीण अंचलों में इस प्रकार की सूचनाएं मुहैया करवाना और आवंटन करना एक चुनौती हुआ करता था, जिसे अब मोबाइल फोन और विभिन्न एप्लीकेशंस के माध्यम से पार पाना आसान हो गया है। हजारों लोगों को एक साथ वीडियो स्ट्रीमिंग के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा सकता है। यह सब इस बात पर निर्भर है कि उपलब्ध तकनीक का सर्वोत्कृष्ट लाभ कैसे लिया जाए। लेखक सोसायटी फॉर प्रोमोशन ऑफ एथीकल एंड एफोर्डेबल हेल्थकेयर के अध्यक्ष हैं।

आज के ट्वीट

अपील

कोरोना की इस भयावह दूसरी वेव के दौरान जिन लोगों की शादियां हैं उनसे अपील है कि फिलहाल अपनी शादी टाल दें। अभी शादी में खुशियों से अधिक कोविड की चिन्ता लगी रहेगी। इस महामारी पर विजय पाने के लिए कोविड संक्रमण की चैन को तोड़ना जरूरी है जो शादी में आने वाली भीड़ से संभव नहीं होगा। -- मु. अशोक गहलोत

ज्ञान गंगा

तनाव

सद्गुरु

हम जो भी करते हैं, वह किसी न किसी रूप में, दूसरे इंसान के जीवन में योगदान दे रहा है। अगर आप यह देखें कि कैसे आप सचेतन तरीके से अपने काम के जरिए सबके जीवन में कुछ योगदान दे सकें, तो आपका जीवन पूरी तरह से बदल जाएगा। योगदान देने का मतलब यह नहीं होगा कि आपको अपने कारोबार से मुनाफा नहीं होगा। अगर आप लगातार यह देखें कि आप अपने आसपास के लोगों के लिए सबसे बेहतर क्या कर सकते हैं तो लाभ अपने-आप होगा - आपको इसकी चिंता नहीं करनी होगी। योगदान देने से मतलब धन या किसी तरह का लाभ देना नहीं है-यह आपके जीवन की बुनियादी इच्छाशक्ति (संकल्प) है। अगर आप अपने जीवन को ऐसे सहयोग में बदल देंगे, तो आपका जीवन सही मायनों में सार्थक होगा क्योंकि आप वह रच रहे हैं, जिसकी आपको परवाह है। अगर आप ऐसा कर रहे हैं तो आपके लिए हर दिन अपने काम पर जाना आनंददायक होगा। ऐसे में आप कभी तनाव की वजह से नहीं मरेंगे, मेरा यकीन करें। हो सकता है कि आप काम से थककर मार जाएं, लेकिन आप तनाव से कभी नहीं मरेंगे। यह बहुत अच्छी बात है। जिस क्षण में आप देखते हैं कि दूसरों के जीवन में कैसे योगदान करना है, उसी क्षण से आपके भीतर एक तरह का सुखद अनुभव पैदा होगा। आपका मन और शरीर बेहतर तरीके से काम करने लगेंगे। इसे साबित करने के लिए हमारे पास अच्छे-खासे वैज्ञानिक और मेडिकल प्रमाण भी मौजूद हैं। अगर आपका मन और शरीर सही तरह से काम नहीं कर रहा, तो क्या आपको लगता है कि इस तरह सफलता हाथ आएगी? जब आप बेहतर नतीजे पाने के लिए अपने हुनर को पूरी तरह से निखार देते हैं, तब सफलता आपके हाथ आती है। अगर आप ऐसा चाहते हैं तो आपके लिए सुखद अनुभव में रहना आवश्यक है। आपके साथ ऐसा तभी संभव है जब आप हमेशा अपने आसपास के लोगों के लिए कोई न कोई योगदान करेंगे। अगर आप सही मायनों में परमानंद को महसूस करते तो क्या आप जीवन के उद्देश्य के बारे में बात करते। आप यह सवाल इसलिए कर रहे हैं क्योंकि कहीं न कहीं आपके जीवन का अनुभव बहुत अच्छा नहीं है। अधिकतर इंसान विचारों, भावों, मतों तथा पूर्वाग्रहों का पुलिंदा बन कर रह गए हैं।

आज का राशिफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

आखिर मजबूर क्यों हो गये मजदूर

कृष्ण प्रताप सिंह

अमेरिका के छब्बीसवें राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने 1903 में मजदूर दिवस के अपने बहुचर्चित सम्बोधन में मजदूरों के लिहाज से एक बड़ी ही महत्वपूर्ण बात कही थी। यह कि मनुष्य के जीवन में अगर कोई सबसे बड़ा पुरस्कार है, तो वह है काम करने का मौका। या कि ऐसा काम जिससे उसकी जीविका चले और महत्ता बढ़े। उनकी यह बात आज, उनके उक्त सम्बोधन के एक सौ अठारह साल बाद भी, इस अर्थ में बहुत महत्वपूर्ण है कि आज की दुनिया में भी बड़ी संख्या में मजदूर जीवन के इस सबसे बड़े पुरस्कार से वंचित हैं और उसकी अंतहीन तलाश में सिर खपाने को मजबूर हैं। अलबत्ता, इस बीच विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में मजदूरों की एक छोटी-सी संख्या खुद को इस अहसास के नजदीक पहुंचाने में सफल रही है कि उसने अच्छे पद, प्रतिष्ठा, वेतन, घर और लग्जरी गाड़ियां समेत विलासिता के प्रायः सारे साधन जुटाकर अपने सारे सपने पूरे कर लिये हैं। इन देशों की मजदूरविरोधी व्यवस्थाएं इस संख्या को मजदूरों की एकता खंडित करने और 'मजदूरों की ही मार्फत मजदूरों के शोषण' के उपकरण के तौर पर इस्तेमाल करने से भी नहीं चूकतीं। दरअसल, वक्त के बदलाव के साथ मजदूरों के काम के पुराने प्रायः सारे कौशल बेकार करार दिये गये हैं और उनके जिस छोटे से हिस्से ने जरूरी बताये जा रहे कुछ नये कौशल अर्जित कर लिये हैं, उसकी मार्फत कुशलता और अकुशलता की कथित लड़ाई को तेज कर दिया गया है। इस लड़ाई के माध्यम से कुशल और अकुशल मजदूरों के बीच बड़ी खाई पैदा कर इस हकीकत को झुठलाने की कोशिशें की जा रही हैं कि आम मजदूर अभी भी बेरोजगार रहने, बेहद कम मजदूरी पर काम करने और अपने काम से संतुष्टि या महत्ता न पाने को अभिशप्त हैं। स्वाभाविक ही इससे पूरी दुनिया में न सिर्फ आय की असमानता बल्कि उसके चलते बढ़ रहे सामाजिक तनाव और असंतोष का भी बोलबाला है। यकीनन, इस दौरान रोजगार और मजदूरी की संरचना में काफी बदलाव आये हैं और मशीनों व उपकरणों के कारण कई कठिन समझे जाने वाले परम्परागत काम आसान हो गये हैं, लेकिन अविकसित या विकासशील देशों को छोड़ भी दें तो धनी देशों में भी बेरोजगारी की ऊंची दरें हालात के दूसरे पहलू को बेपर्दा करके रख देती हैं, जिससे साफ होता है कि नई विश्वव्यवस्था और उसके नीति-निर्माता दुनिया में कहीं भी उस गरीब और कमजोर तबके के हितों का ध्यान नहीं रख रहे हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता माइकल स्पेंस का कहना है कि इसमें कोई दो राय नहीं कि रोजगार नई तकनीकों की वजह से भी कम हो रहे हैं, लेकिन भूमंडलीकरण का वर्चस्व और कल्याणकारी नीतियों का अभाव ही इसका सबसे बड़ा कारण है। यकीनन, वह भूमंडलीकरण ही है, जो उन ढांचागत सुधारों के आड़े आता है, जिनकी मदद से रोजगार के अवसर बढ़ाये जा सकते हैं और शक्तियों व संसाधनों का मजदूर विरोधी संकेन्द्रण रोका जा सकता है। निस्संदेह, इन सुधारों की अनुपस्थिति में ही शिक्षा में उपयुक्त बदलाव के जरिये ऐसे प्रशिक्षण नहीं उपलब्ध कराये जा पा रहे, जिनकी बिना पर मजदूरों की नई पीढ़ियां पुराने कौशलों के बेकार हो जाने से उत्पन्न हुई चुनौतियों का सामना कर सकें। अकुशल और कुशल मजदूरों के बीच की खाई पाटनी है तो उसका पहला उपाय अकुशल मजदूरों की दक्षता विकास ही होगा। खास अपने देश के संदर्भ में बात करें तो पहला यह कि मजदूर आपस में मजदूरों की विभिन्न श्रेणियों के आधार पर विभाजित हो गये हैं और हर श्रेणी 'आप आप ही चरे' की तर्ज पर सिर्फ अपनी उपलब्धियों के लिए चिंतित रहने लगी है। इस कारण सामाजिक या आर्थिक परिवर्तन के हिरावल दस्ते के रूप में उनकी कोई भूमिका ही नहीं रह गई है। दूसरा यह कि उनकी मजदूर वाली पहचान पर कई दूसरी संकीर्ण पहचानें हावी हो गई हैं, जिन्होंने उनको, यहां तक कि उनके संगठनों को भी, धार्मिक व साम्प्रदायिक सोच के शिकंजे में जकड़ कर रख दिया है। इसी कारण कोरोना संकट में श्रमिक भीषण त्रासदी का सामना करके भी सत्ता प्रतिष्ठान पर कोई बड़ा दबाव नहीं बना पाये। इतना ही नहीं, मोदी सरकार ने कोरोना की आपदा को अपने लिए खास अवसर में बदलकर देश में लागू चालीस श्रम कानूनों को चार मजदूर विरोधी व कारपोरेट हितकारी श्रम संहिताओं में बदल डाला तो भी मजदूर संगठन औपचारिक हड़तालों और भारत बन्द आदि से आगे बढ़कर संघर्ष की कोई निर्णायक पहल नहीं कर पाये। हालांकि, इन संहिताओं के लागू हो जाने के बाद उनके काम के घंटे आठ के बजाय बारह हो जायेंगे और वे पूरी तरह रोजगार प्रदाता के रहमोकरम पर हो जायेंगे। देश के किसान और मजदूर दोनों परस्पर एक-दूजे का विश्वास अर्जित करके लम्बे एकजुट संघर्ष के लिए तैयार हो जायें तो कोई कारण नहीं कि वे अपनी दुर्दशा का अंत न कर सकें।

चुन-चुन करती आई चिड़िया

दोस्तों, तुमने अपने आसपास फुदकती चिड़ियों को देखा होगा। कितनी प्यारी लगती हैं। एक पल को सामने आती हैं और दूसरे ही पल फुर्र से उड़ जाती हैं। चलिए, जानते हैं इन उड़ने वाले साथियों के बारे में...

मैना

मैना का नाम तो आप सभी ने सुना होगा, मगर इसे पहचानते नहीं होंगे। यह साधारण मैना काले-भूरे रंग की होती है और इसकी चोंच पीली होती है। यह घरों के आसपास बहुत ज्यादा देखी जाने वाली चिड़िया है। यह हमेशा दो-तीन के समूह में रहती हैं। स्वभाव से गुस्से वाली होती है और आपस में खूब झगड़ा करती और खूब शोर मचाती हैं। यह मैदान, रेलवे स्टेशन, बगीचों में घूम-घूमकर दाना चुगती रहती है। इसे कीड़े, फल, बीज आदि खाना बेहद पसंद है।

जंगल बैबलर

यह हमारे घरों के आसपास बहुत संख्या में पाई जाती है। यह एक साथ झुण्ड में रहती है और बहुत तेज शोर करती है। हल्के भूरे रंग की यह चिड़िया बहुत चंचल होती है और आपस में दूसरी बैबलर के साथ खेलती रहती है। कभी एक-दूसरे के ऊपर चढ़ती है, कभी गुस्से से एक-दूसरे के पीछे दौड़ती है और कभी प्यार से एक-दूसरे के पंख खुजलाती है। इन्हें देखकर बहुत मजा आता है। घर के बगीचे में घूम-घूमकर ये कीड़े-मकोड़े खाती रहती हैं।

गौरैया

हमारी सबसे जानी-पहचानी चिड़िया गौरैया है। इसे हाउस स्पैरो कहते हैं। यह इंसानों से काफी घुली-मिली रहती है और घरों के आसपास, छतों, मुंडेरों और घर के बगीचे में फुदकती रहती है। इसकी नर चिड़िया गहरे भूरे रंग की होती है और इसका गला काले रंग का होता है, जबकि मादा गौरैया हल्के भूरे रंग की होती है और इसकी गर्दन काली नहीं होती। पहले यह बड़ी संख्या में पाई जाती थी, पर धीरे-धीरे इनकी संख्या कम होती जा रही है। इसलिए हमें इनके लिए अपने घरों में दाना-पानी रखना चाहिए, जिससे यह हमारी दोस्त बन सके।

कॉपरस्मिथ बारबेट

यह एक बहुत सुन्दर और चमकीले रंगों वाला पक्षी है, जो घरों के आसपास ऊंचे पेड़ों पर पाया जाता है। हरे रंग के इस पक्षी का सिर लाल रंग का होता है और गले पर भी एक चमकीली लाल पट्टी होती है। यह अक्सर छोटे फलों वाले वृक्षों जैसे बरगद, पीपल पर बैठता है और मजे से डालियों पर फुदक-फुदककर फल खाता रहता है। इसकी टुक-टुक की आवाज बहुत दूर तक सुनाई देती है। आप लोगों ने भी अपने घर के आसपास से आती हुई टुक-टुक की आवाज सुनी होगी। अगर नहीं सुनी तो अब ध्यान देना, यह पक्षी कहीं आसपास ही बैठा मिल जाएगा।

बुलबुल

यह हर घर के आसपास आसानी से दिखाई देती है। भूरे-काले रंग की इस चिड़िया की पूंछ के नीचे लाल रंग का एक धब्बा होता है, इसलिए इसका नाम रेड वेंटेड बुलबुल है। यह बहुत सीधी होती है और इंसानों के नजदीक रहना पसंद करती है। इसकी चहचहाहट बहुत मधुर होती है। नर बुलबुल मादा बुलबुल को बुलाने के लिए मधुर गीत गाता है। इसके सिर पर छोटी-सी कलगी होती है। छोटी झाड़ियों और पौधों में यह फुदकती रहती है और पेड़ों पर लगे फल ये बड़े शौक से खाती है। साथ ही, कीड़े-मकोड़े खाकर भी यह अपना पेट भरती है।

ओरिएंटल मैगपाई रॉबिन

यह भी एक ऐसा पक्षी है, जिसे हम अपने घरों में रोज देखते हैं, पर इसका नाम नहीं जानते। यह काली-सफेद प्यारी चिड़िया इंसानों की दोस्त होती है और हमसे डरती नहीं है। इसका नर चमकीले काले रंग का होता है, जबकि मादा हल्के ग्रे कलर की होती है। यह बांग्लादेश का राष्ट्रीय पक्षी है। इसका गाना भी बहुत मधुर होता है। यह कई तरह की आवाज में गीत गाती है और पेड़ों के तनों के भीतर खोखले स्थान में अपना घोंसला बनाती है।

डॉगी के लिए खास जिम!

अमेरिका के वर्जीनिया शहर में एक जिम खोला गया है। तुम सोच रहे होगे कि जिम तो हर जगह है, इसमें क्या खास बात है। पर सचमुच यह जिम काफी स्पेशल है। इसके स्पेशल होने के पीछे कोई विशेष मशीन या टूल कारण नहीं है, बल्कि यह किसी खास के लिए बनी है। दरअसल यह जिम सिर्फ डॉग्स के लिए है। सिर्फ जिम ही नहीं, बल्कि कनाइन स्पोर्ट्स क्लब में डॉग पार्क, डॉगी डे केयर, डॉग वॉकर्स, डॉग बिस्कुट बेकरी और डॉग वॉशिंग स्टेशंस के अलावा अब उनकी फिटनेस का ख्याल रखने के लिए आया है नया 'जिम'। पेट्स में बढ़ती स्थूलता की दर को देखते हुए इस जिम को खोला गया है ताकि डॉगीज को फिट रखा जा सके। एसोसिएशन फॉर पेट ओबेसिटी प्रिवेंशन के अनुसार 36.7 मिलियन यानी 52.6 प्रतिशत कुत्ते मोटापे का शिकार हैं।

6,000 स्क्वेयर फुट में बना यह जिम एयरकंडीशंड है। इसमें दो ट्रेडमिल, बैलेंस बॉल्स, क्रॉस-ट्रेनिंग स्पेस के अलावा कई और चीजें हैं, जो डॉगी को फिट रखने के लिए काफी हैं। केविन गिलियम और उनकी पत्नी किंबरले ने इस जिम को खोला है। इनके अनुसार 45 से 60 डॉलर प्रति महीने के खर्च पर इसकी सदस्यता ली जा सकती है, अर्थात एक साल की मेंबरशिप के लिए 700 डॉलर चार्ज है।

...हर बात को ध्यान से सुनो

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

टोयोटा किर्लोस्कर ने अप्रैल में 9,622 इकाइयों की बिक्री की

नयी दिल्ली, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने शनिवार को कहा कि पिछले महीने डीलरों को 9,622 कारें भेजीं। इनोवा क्रिस्टा और फॉरच्यूनर वाहन के निर्माता इस कंपनी ने पिछले साल अप्रैल में कोई बिक्री नहीं कर पाई थी। इसकी वजह कोविड-19 के प्रसार के कारण इसको फैलने से रोकने के लिए सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी स्तर पर लॉकडाऊन लगाया जाना था। टीकेएम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नवीन सोनी ने एक बयान में कहा, चुनौतियों के बावजूद, हम व्यक्तिगत यातायात की जरूरतों के कारण अच्छी मांग देख रहे हैं।'' सोनी ने कहा कि हालांकि, देश के विभिन्न हिस्सों में लॉकडाउन ने थोक और खुदरा बिक्री के बीच अंतर को बढ़ाया है। सोनी ने कहा कि फिलहाल कंपनी की प्रमुख जिम्मेदारी अपने कर्मचारियों, उनके परिवारों और अन्य अंशधारकों के स्वास्थ्य को सुरक्षित करना है।

आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन मार्च में 6.8 फीसदी बढ़ा

मुंबई। देश में आठ बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में इस साल मार्च में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो 32 महीने का उच्चतम स्तर है। तुलनात्मक आधार कमजोर होने के बीच प्राकृतिक गैस, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन में वृद्धि के साथ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर बढ़ी। जारी` किए गए आधिकारिक आंकड़े के अनुसार आठ बुनियादी उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली की वृद्धि दर में पिछले साल इसी महीने यानी मार्च 2020 में 8.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार मार्च महीने में प्राकृतिक गैस, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन में क्रमशः 12.3 प्रतिशत, 23 प्रतिशत, 32.5 प्रतिशत और 21.6 प्रतिशत का उछाल आया। वहीं पिछले साल इसी महीने में इनमें क्रमशः (-) 15.1 प्रतिशत, (-) 21.9 प्रतिशत, (-) 25.1 प्रतिशत और (-) 8.2 प्रतिशत की गिरावट आई थी। कोयला, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरकों के उत्पादन में इस दौरान गिरावट दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2020-21 (अप्रैल-मार्च) में आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 7 प्रतिशत घटा। वर्ष 2019-20 में इसमें 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

(शेयर बाजार साप्ता हिक समीक्षा) सप्ताह में चार दिन बढ़त, एक दिन गिरावट रही

मुंबई । कोरोना के बढ़ते मामलों और मुनाफावसूली की वजह से बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमख शेयर सूचकांक शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बीते सप्ताह पांच कारोबारी सत्रों में शेयर बाजार में चार दिन बढ़ोतरी और एक दिन गिरावट रही। सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को शेयर बाजार तेजी और शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स 641.35 अंक बढ़कर 48,519.80 पर खुला और 508.06 अंकों की तेजी के साथ 48,386.51 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 178.90 अंक उछलकर 14,520.25 पर खुला और 143.65 अंक बढ़कर 14,485.00 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 155.63 अंक बढ़कर 48,542.14 पर खुला और 557.63 अंकों की छलांग लगाकर 48,944.14 पर बंद हुआ। निफ्टी 49.80 अंक बढ़कर 14,534.80 पर खुला और 168.05 अंकों की तेजी के साथ 14,653.05 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 351.06 अंक बढ़कर 49,295.20 पर खुला और 789.70 अंक उछलकर 49,733.84 पर बंद हुआ। निफ्टी 95.30 अंक बढ़कर 14,74835 पर खुला और 211.50 अंक की छलांग लगाकर 14,864.55 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 606.19 अंक चढ़कर 50,340.03 पर खुला और 32 अंकों की बढ़त के साथ 49766 पर बंद हुआ। निफ्टी 169.30 अंक बढ़कर 15,033.85 पर खुला और 30 अंक बढ़कर 14894 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 424.70 अंक गिरकर 49,341.24 पर खुला और 938 अंक लुढ़क कर 48782 पर बंद हुआ।

नीरव मोदी का नया पैंतरा, भारत आने से बचने के लिए UK हाईकोर्ट का खटखटाया दरवाजा

बिजनेस डेस्क: पीएनबी घोटाले का मुख्य आरोपी और भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी ने अब ब्रिटेन के हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। प्रत्यर्पण रोकने के लिए उसने हाईकोर्ट से गुहार लगाई है। इस मामले से जुड़े लोगों ने शनिवार को ये जानकारी दी है। नीरव मोदी ने लंदन की निचली अदालत के फैसले को ब्रिटेन के हाईकोर्ट में चुनौती देने की मांग की है। नीरव मोदी की ये अपील 25 फरवरी को वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश के खिलाफ है, जिसमें भारत के लिए उनके प्रत्यर्पण और यूके की गृह सचिव प्रीति पटेल द्वारा 15 अप्रैल को मंजूरी देने का निर्देश है। प्रीति पटेल ने नीरव मोदी को पंजाब नेशनल बैंक घोटाला मामले में धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के दोषी पाए जाने के लगभग दो महीने बाद प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी। नीरव मोदी की याचिका में भारत में उचित मुकदमा नहीं चलने और राजनीतिक कारणों से उन्हें निशाना बनाने की चिंता जाहिर की गई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि भारत में जेलों की स्थिति खराब है और उसके खिलाफ सबूत कमजोर हैं। नीरव मोदी पर अपने मामा मेहुल चोकसी के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक से 13 हजार करोड़ रुपए धोखाधड़ी करने का आरोप है। जनवरी 2018 को पीएनबी ने भारत में नीरव और उसके सहयोगियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी, लेकिन इससे पहले ही नीरव मोदी यहां से फरार हो गया।

क्या है PNB घोटाला

भारत के बैंकिंग इतिहास में सबसे बड़ी धोखाधड़ी है। इस घोटाले में मुंबई के फोर्ट में स्थित पीएनबी की ब्रैडी हाउस शाखा में बैंकरों ने फर्जी लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग्स (एलओयू) का इस्तेमाल किया। एक वर्ष की अवधि के लिए मोती के आयात के लिए भारतीय बैंकों की शाखाओं में इन एलओयू का उपयोग किया गया, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक के नियम के अनुसार शिपमेंट की तारीख से 90 दिनों तक की समयावधि ही निर्धारित है। बैंक अधिकारियों की सांठगांठ से वह एक साल तक इनका इस्तेमाल करता रहा।

भारतीय स्टेट बैंक ने आवास ऋण पर ब्याज घटा कर 6.70 प्रतिशत की

मुंबई,

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शनिवार को कहा कि उसने आवास ऋण पर ब्याज की दर घटा कर 6.70 प्रतिशत कर दी है। बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि 30 लाख रुपये तक के कर्ज पर ब्याज की दर वार्षिक 6.70 प्रतिशत तथा 30 लाख रुपये से 75 लाख रुपये तक के कर्ज पर ब्याज की दर 6.95 प्रतिशत होगी। बैंक ने इससे ऊपर के कर्ज पर ब्याज 7.05 प्रतिशत रखी है। एसबीआई के प्रबंध निदेशक सीएस सेट्टी ने कहा उनके बैंक के आवास ऋण पर ब्याज कम करने से उपभोक्ताओं के लिए कर्ज लेना आसान होगा क्योंकि इससे कर्ज की सामान मासिक किश्त (ईएमआई) घटेगी। बैंक ने कहा है कि महिलाओं के लिए ब्याज पर 0.05 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी। इसी तरह योनो ऐप के जरिए कर्ज का आवेदन करने वालों को 0.05 प्रतिशत की अतिरिक्त रियायत दी जाएगी। बैंक 31 मार्च 2021 तक आवास कर्ज पर 6.70 प्रतिशत की पेशकश कर रहा था। पहली अप्रैल से उसने पुरानी 6.95 प्रतिशत की दर बहाल कर दी थी। आवास ऋण बाजार में एसबीआई का हिस्सा 34 प्रतिशत है और उसने कुल पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवास ऋण दे रखा है।

सरकार बुनियादी ढांचा विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है- गडकरी

नयी दिल्ली, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सरकार बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और अगले दो साल में 15 लाख करोड़ रुपये के सड़क निर्माण का लक्ष्य रखा है। गडकरी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय चालू वित्त वर्ष में 40 किलोमीटर प्रतिदिन के निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''सरकार बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और अगले दो वर्षों में 15 लाख करोड़ रुपये के सड़क निर्माण का लक्ष्य रखा है।'' उन्होंने कहा कि सरकार सड़क क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दे रही है। मंत्री ने कहा कि भारत में, वर्ष 2019-25 के लिए नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) जैसी परियोजना अपनी तरह की पहली परियोजना है और सरकार अपने नागरिकों को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करने और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एनआईपी के तहत, वर्ष 2025 तक 111 लाख करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ 7,300 से अधिक परियोजनाएं कार्यान्वित की जानी हैं। गडकरी ने कहा कि एनआईपी का उद्देश्य परियोजना की तैयारी में सुधार करना है, और राजमार्ग, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, गतिशीलता, ऊर्जा तथा कृषि एवं ग्रामीण उद्योग जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश को आकर्षित करना है।

राहत: FY20 का ITR भरने से चूक गए हैं तो घबराएं नहीं, 31 मई तक भर सकते हैं रिटर्न

बिजनेस डेस्क:

केंद्र सरकार ने 1 मई को वित्त वर्ष 2019-20 के लिए रिटर्न भरने या संशोधन करने समेत कई इनकम टैक्स कंप्लॉयंसेज के डेडलाइन को बढ़ाकर 31 मई कर दिया है। पहले यह डेडलाइन 31 मार्च 2021 थी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) ने जानकारी दी कि इसे लेकर कई स्टेकहोल्डर्स ने सिफारिश की थी। सीबीडीटी द्वारा जारी बयान के मुताबिक कोरोना महामारी के चलते प्रतिकूल स्थितियों और कई टैक्सपेयर्स व टैक्स कंसल्टेंट समेत अन्य स्टेकहोल्डर्स द्वारा किए गए अनुरोध के चलते यह फैसला लिया गया है।

CBDT ने इनकी बढ़ाई डेडलाइन

सीबीडीटी ने कहा कि आकलन वर्ष 2020-21 के लिए अधिनियम की धारा 139 की उपधारा चार के तहत विलंबित रिटर्न दाखिल करने, उपधारा पांच के तहत संशोधित रिटर्न दाखिल करने की तारीख पहले 31 मार्च 2021 थी, जिसे बढ़ाकर 31 मई 2021 कर दिया गया है। इसी तरह अधिनियम की धारा 148 के तहत नोटिस के जवाब में आयकर रिटर्न अब नोटिस में दिए गए समय या 31 मई 2021 तक दाखिल किया जा सकेगा। विवाद समाधान पैनल (डीआरपी) पर आपत्तियां दर्ज करने और आयुक्त के समक्ष अपील दायर करने की तारीख को 31 मई तक बढ़ा दिया गया है।

नानगिया एंड सीओ एलएलपी के पार्टनर शैलेश कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा आयकरदाताओं को दी गई छूट से उन्हें काफी राहत मिलेगी, हालांकि यदि अगले दो हफ्तों में कोविड की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो सरकार को इन समयसीमाओं को आगे और बढ़ाना होगा।

इस्पात कंपनियां कोविड मरीजों के लिए आक्सीजन सुविधायुक्त 10,000 बेड स्थापित करेंगी

नयी दिल्ली, सरकार ने इस्पात कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिए 10,000 ऑक्सीजन सुविधा वाले बेड स्थापित करें। इस्पात मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि 5,000 बेड सार्वजनिक उपक्रम की इस्पात कंपनियों के द्वारा स्थापित किए जाएंगे, जबकि अन्य 5,000 की स्थापना टाटा स्टील, जेएसपीएल, जेएसडब्ल्यू स्टील और एएमएनएस इंडिया जैसी निजी कंपनियों द्वारा की जाएगी। एक ट्वीट में, मंत्री ने कोविड-19 महामारी से लड़ने में इस्पात उद्योग के योगदान को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के इस्पात उद्योग के अग्रणी लोगों के साथ आयोजित बैठकों की एक श्रृंखला के बारे में जानकारी दी। कंपनियों को इस्पात संयंत्रों से तरल चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने के लिए जो भी संभव हो करने के लिए कहा गया है, जिसमें संयंत्रों से अस्पतालों तक सीधे गैसीय ऑक्सीजन की आपूर्ति शामिल है। सरकारी स्वामित्व वाली सेल और आरआईएनएल तथा टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसपीएल और एएमएनएस इंडिया जैसे निजी इस्पात कंपनियां देश भर में विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रहे हैं।

जीएसटी राजस्व अप्रैल में सर्वकालिक ऊंचाई 1.41 लाख करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली,

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि जीएसटी संग्रह अप्रैल में 1.41 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जिससे अर्थव्यवस्था की स्थिति में लगातार सुधार होने का संकेत मिलता है। अप्रैल 2021 में राजस्व मार्च के 1.23 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 14 प्रतिशत अधिक है। समीक्षाधीन महीने के दौरान घरेलू लेनदेन पर जीएसटी से राजस्व (सेवाओं के आयात सहित) पिछले महीने की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने कहा, ''जीएसटी राजस्व ने लगातार पिछले सात महीनों के दौरान न सिर्फ एक लाख करोड़ रुपये के स्तर को सफलतापूर्वक पार किया है, बल्कि इसमें लगातार वृद्धि भी दर्ज की है। यह इस दौरान लगातार आर्थिक स्थिति में सुधार का स्पष्ट संकेत है। नकली-बिलिंग की जांच के साथ ही जीएसटी, आयकर और सीमा शुल्क आईटी प्रणालियों जैसे विभिन्न स्रोतों से मिले आंकड़ों के सघन डेटा एनालिटिक्स का उपयोग और प्रभावी कर प्रशासन ने लगातार कर राजस्व बढ़ाने में योगदान दिया है।'' अप्रैल 2021 में सकल जीएसटी राजस्व 1,41,384 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर रहा, जिसमें सीजीएसटी 27,837 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 35,621 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 68,481 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर वसूल 29,599 करोड़ रुपये के कर सहित) और उपकर 9,445 करोड़ (वस्तुओं के आयात पर पर 981 करोड़ रुपये की वसूली सहित) शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा, ''देश के कई हिस्सों में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बावजूद, भारतीय व्यवसायों ने एक बार फिर रिटर्न दाखिल करने संबंधी जरूरतों का पालन करने के साथ ही समय पर जीएसटी बकाया का भुगतान करके उल्लेखनीय मजबूती दिखायी है।' कर विशेषज्ञों ने हालांकि कहा कि अप्रैल के आंकड़े मार्च में आर्थिक गतिविधियों को दर्शाते हैं और कोविड-19 संक्रमण रोकने के लिए देश के कुछ हिस्सों में लॉकडाउन के कारण आने वाले महीनों में जीएसटी संग्रह में कुछ गिरावट हो सकती है। डेलॉयट इंडिया के वरिष्ठ निदेशक एम एस मणि ने कहा कि अप्रैल में उच्च संग्रह के आंकड़े आने वाले महीनों में आर्थिक गतिविधियों में गिरावट के चलते घट सकते हैं। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के पार्टनर रजत बोस ने कहा कि असली चुनौती आगे है क्योंकि देश के अधिकांश हिस्से फिर से लॉकडाउन में हैं और अधिकांश उद्योग अस्थायी रूप से बंद हैं।

मारुति सुजुकी ने अप्रैल में 159,691 वाहनों की बिक्री की

नई दिल्ली।

ऑटोमोबाइल प्रमुख मारुति सुजुकी इंडिया ने शनिवार को कहा कि अप्रैल 2021 में कंपनी ने कुल 159,691 यूनिट की बिक्री की है। कंपनी के अनुसार, महीने में कुल बिक्री में 137,151 यूनिट्स की घरेलू बिक्री, 5,303 यूनिट्स की अन्य ओईएम बिक्री और 17,237 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। कंपनी ने अप्रैल 2020 के दौरान 632 वाहन और 2019 में 143,245 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी ने एक बयान में कहा है कि चूंकि अप्रैल 2020 में कोविड-19 के मद्देनजर लॉकडाउन लगाया गया था और लगभग शून्य बिक्री हुई थी, इसलिए अप्रैल 2020 से तुलना करने का कोई मतलब नहीं बनता है।

महंगा हुआ विमान ईंधन, जल्द आ सकती है पेट्रोल-डीजल की भी बारी

बिजनेस डेस्क:

शनिवार को विमान ईंधन की कीमतों में 6.7 की एक बड़ी वृद्धि की गई। वैश्विक बाजार में कच्चा तेल महंगा होने से जल्द पेट्रोल-डीजल के खुदरा भाव भी बढ़ाए जा सकते हैं। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) का भाव प्रति हजार लीटर 3,885 रुपए यानी 6.7 प्रतिशत बढ़ा कर 61,690.28 रुपए कर दिया। विभिन्न राज्यों पेट्रोलियम पर बिक्री कर की दरों में भिन्नता के कारण वहां एटीएफ के भाव अलग अलग हो सकते हैं। इससे पहले कंपनियों ने दो बार एटीएफ के भाव घटाए थे। पहली अप्रैल को इसमें तीन प्रतिशत और 19 अप्रैल को एक प्रतिशत की कमी की गई थी। डीजल एवं पेट्रोल के भाव लगातार 16वें दिन एक ही स्तर पर बने हुए हैं। दिल्ली में पेट्रोल 90.40 रुपए और डीजल 80.73 रुपए प्रति लीटर का पड़ रहा है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि मोटर वाहन ईंधनों के दामों में जल्दी ही संशोधन किया जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि पिछले चार दिन (27 अप्रैल) से दाम लगातार चढ़ रहे हैं और इस दौरान दुबई में कच्चा तेल 2.91 डॉलर प्रति बैरल महंगा हो चुका है। पेट्रोल और डीजल के खुदरा मूल्यों में क्रमशः 60 प्रतिशत और 54 प्रतिशत केंद्रीय व राज्य स्तरीय करों का होता है। भारत में कोविड19 की नई लहर से पेट्रोलियम की मांग पर असर पड़ने की संभावनाओं के बावजूद अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल चढ़ रहा है। इसके पीछे अमेरिका की मजबूत मांग और डॉलर की कमजोरी बताया जा रहा है।

हुंदई मोटर इंडिया ने अप्रैल में कुल 59,203 इकाइयों की बिक्री की

नयी दिल्ली,

हुंदई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने शनिवार को बताया कि अप्रैल 2021 में उसने कुल 59,203 इकाइयों की बिक्री की है, जो मार्च में की गई 64,621 इकाइयों की बिक्री से आठ प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि घरेलू बिक्री 49,002 इकाई की हुई, जबकि पिछले महीने 10,201 इकाई का निर्यात हुआ।

इस साल अप्रैल की बिक्री का, पिछले साल के इसी महीने की बिक्री से तुलना नहीं है क्योंकि तब देश में कोरोनोवायरस महामारी के प्रकोप के मद्देनजर देशव्यापी लॉकडाऊन के कारण घरेलू बिक्री नहीं हुई थी। हालांकि, कंपनी ने पिछले साल अप्रैल में 1,341 इकाइयों का निर्यात किया था। एचएमआईएल के निदेशक (बिक्री, विपणन और सेवा) तरुण गर्ग ने कहा, ''इन चुनौतीपूर्ण समय में, हम राष्ट्र के साथ एकजुटता में खड़े हैं और प्रभावितों के समर्थन के लिए सभी प्रयास जारी रखे हुए

हैं ... जबकि हमारे प्रयास, मौजूदा समय में मुख्य रूप से लोगों का जीवन और आजीविका का समर्थन करने पर केंद्रित हैं। हमें अप्रैल 2021 में भी अच्छे बिक्री के परिणाम मिले हैं।''

रिलायंस ने मेडिकल ऑक्सीजन का उत्पादन प्रतिदिन 1000 टन तक बढ़ा, 24 टैंकर विमानों से मंगवाए

नयी दिल्ली,

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने जामनगर तेल रिफाइनरी में मेडिकल ऑक्सीजन का उत्पादन बढ़ाकर प्रतिदिन 1000 टन से अधिक कर दिया है। आरआईएल ने एक बयान में कहा कि यह ऑक्सीजन कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित राज्यों को मुफ्त में दी जा रही है। कंपनी ने दावा किया कि रिलायंस आज भारत की करीब 11वं मेडिकल ऑक्सीजन का उत्पादन कर रहा है और हर दस में से एक रोगी को उसके द्वारा उत्पादित ऑक्सीजन दी जा रही है। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी में कच्चे तेल से डीजल, पेट्रोल, और जेट ईंधन जैसे उत्पाद बनाए जाते हैं, यहां मेडिकल ऑक्सीजन का उत्पाद नहीं किया जाता था, लेकिन कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद ऑक्सीजन की मांग बढ़ने पर रिलायंस ने मेडिकल-ग्रेड ऑक्सीजन का उत्पादन शुरू कर दिया। बयान में कहा गया कि रिलायंस ने ऑक्सीजन की आपूर्ति श्रृंखला को पुख्ता करने के लिए सऊदी अरब, जर्मनी, बेल्जियम, नीदरलैंड और थाईलैंड से 24 ऑक्सीजन टैंकर एयरलिफ्ट कर के (विमानोंसे) मंगाए हैं, जिससे देश में लिक्विड ऑक्सीजन की कुल परिवहन क्षमता में 500 टन का इजाफा हुआ है। कंपनी ने बताया कि टैंकर एयरलिफ्ट करने में भारतीय वायुसेना का भी सहयोग रहा। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा, ''जब भारत कोविड-19 की दूसरी लहर के खिलाफ लड़ रहा है तब मेरे लिए और रिलायंस में हम सभी के लिए, जीवन बचाने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। भारत में मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन के उत्पादन और परिवहन क्षमताओं को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।'' रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने कहा, ''रिलायंस फाउंडेशन में हम मदद की हर संभव कोशिश करेंगे। हर जीवन अनमोल है। हमारी जामनगर रिफाइनरी और संयंत्र को रातोंरात बदल दिया गया है ताकि भारत में मेडिकल ग्रेड तरल ऑक्सीजन का उत्पादन किया जा सके।''

गूगल ने प्ले स्टोर पर ऐप की गुणवत्ता में सुधार के लिए नए नियमों की घोषणा की

नई दिल्ली।

गूगल ने प्ले स्टोर में सुधार करने की अपनी नई पहल के तहत यूजर्स के लिए ऐप की गुणवत्ता और खोज में सुधार करने के लिए नई नीतियों और दिशानिदेशरें की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि ऐसे ऐप टाइटल, आइकन और डेवलपर नेम, जो आगामी नीतियों को पूरा नहीं करते हैं, उन्हें गूगल प्ले पर अनुमति नहीं दी जाएगी। नीतियों के नए सेट में ऐप टाइटल की लंबाई 30 अक्षरों तक सीमित करना, ऐसे कीवर्ड को रोकना, जो प्रदर्शन, स्टोर आइकन, टाइटल और डेवलपर के नाम में प्रमोशन और ग्राफिक तत्वों को नष्ट कर सकते हैं और जो ऐप आइकन में यूजर्स को भ्रमित कर सकते हैं, शामिल हैं। इस नीति में बदलाव के बारे में अधिक जानकारी, प्रवर्तन तिथियों सहित, इस वर्ष के अंत में सामने आएगी। गूगल ने शुक्रवार को एक अपडेट में कहा था कि चूंकि आपके ऐप का शीर्षक, आइकन और डेवलपर नेम आपके स्टोर लिस्टिंग पेज पर सबसे महत्वपूर्ण खोज तत्व हैं, इसलिए हम इन तत्वों को पहचानने और अद्वितीय बनाए रखने के लिए नीतियों का एक नया सेट लॉन्च करने की तैयारी कर रहे हैं।

जब 2008 में गूगल प्ले लॉन्च किया गया था, तो डेवलपर्स के लिए प्ले स्टोर पर केवल कुछ सौ ऐप्स और गेम लाइव को लेकर सुगमता से पहुंच सुनिश्चित थी। अब 190 से अधिक देशों में दर्शकों के लिए लाखों ऐप और गेम उपलब्ध हैं।

आईपीएल 2021: स्पिनरों के दम पर दिल्ली के खिलाफ भी जीत की लय कायम रखना चाहेगा पंजाब

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

पंजाब किंग्स के युवा स्पिनर हरप्रीत बरार और रवि बिश्नोई दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी रविवार को आईपीएल के मैच में लय कायम रखकर आईपीएल प्लेआफ में प्रवेश का टीम का दावा पुख्ता करने उतरेंगे। बरार ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ पिछले मैच में 19 रन देकर 3 और बिश्नोई ने भी 19 रन देकर 2 विकेट लिए। दोनों ने मिलकर 8 ओवर डाले और 36 रन देकर 5 विकेट चटकाए। अब उनका सामना दिल्ली से है जिसका स्पिनरों के खिलाफ बेहतर रिकॉर्ड है। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और पृथ्वी शॉ शानदार फॉर्म में भी हैं। धवन अब तक 311 और शॉ 269 रन बना चुके हैं जिसमें 71 चौके और 15 छक्के शामिल है। स्टीव स्मिथ और ऋषभ पंत भी मैच जिताने वाले खिलाड़ी हैं। गुगली के महारथी बिश्नोई का लक्ष्य पंत को परेशान करने का होगा, जो स्पिनरों को डीप मिडविकेट में खेलने के आदी हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर गेंद पर पकड़ मजबूत रहती है और पारी आगे बढ़ने पर बल्लेबाजी मुश्किल हो जाती है। ऐसे में पंजाब के फॉर्म में चल रहे कप्तान के एल राहुल टॉस जीतने पर बल्लेबाजी चुन सकते हैं। उन्होंने बेंगलोर के खिलाफ 57 गेंद में नाबाद 81 रन बनाए थे। दिल्ली की टीम में अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा की वापसी हो सकती है। ऐसे में ललित यादव को बाहर रहना होगा हालांकि केकेआर के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था। अक्षर पटेल अपने हरफनमौला हुनर से टीम को संतुलन देते हैं। यह मुकाबला शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का होगा जिसमें राहुल की तकनीक के सामने शॉ की आक्रामकता होगी जबकि क्रिस गेल अपनी शैली में पंत पर भारी पड़ने की कोशिश में होंगे। दिल्ली को तेज गेंदबाजी विभाग में बढ़त हासिल है। उसके पास आवेश खान, कैगिसो रबाडा और ईशांत शर्मा जैसे गेंदबाज है। आवेश अभी तक 13 विकेट ले चुके हैं जबकि रबाडा ने भी लय हासिल कर ली है। पंजाब के लिए भी समस्या निरंतरता की रही है। कप्तान राहुल (331 रन) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका है। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी ने 8 विकेट लिए जबकि झाय रिचर्डसन और रिले मेरेडिथ महंगे साबित हुए।

रॉयल्स के खिलाफ नए कप्तान के साथ जीत की राह पर लौटने उतरेंगे सनराइजर्स

नई दिल्ली।। (एजेंसी)।

खराब फॉर्म से जूझ रही सनराइजर्स हैदराबाद ने रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के मैच से पहले डेविड वॉर्नर को कप्तानी से हटाकर केन विलियमसन को कमान सौंपी है। सनराइजर्स ने अचानक यह फैसला लेते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज वॉर्नर को कप्तानी से हटा दिया। रॉयल्स ने अभी तक 6 में से 2 मैच जीते हैं जबकि सनराइजर्स ने 6 में से 1 मैच में जीत दर्ज की है। रॉयल्स अंक तालिका में सातवें और सनराइजर्स सबसे नीचे आठवें स्थान पर है।

संजू सैमसन की अगुवाई वाली रॉयल्स लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। उसे दूसरे मैच में पहली सफलता मिली और इसके बाद फिर दो मैच हार गई। कोलकाता नाइटराइडर्स को हराने के बाद फिर उसे पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स की गैर मौजूदगी का रॉयल्स के प्रदर्शन पर काफी असर पड़ा है। बल्लेबाजी पूरी तरह से सैमसन पर निर्भर हो गई जो पहले मैच में 119 रन बनाने के बाद नहीं चल सके हैं। सलामी बल्लेबाज जोस बटलर अभी तक छह मैचों में एक भी अर्धशतक नहीं जमा सके। मध्यक्रम में डेविड मिलर ने पांच मैचों में बस एक अर्धशतक जड़ा है, जबकि रियान पराग का सर्वाधिक स्कोर 25 रन रहा है। गेंदबाजी में महंगे खरीदे गए क्रिस मॉरिस छह मैचों में 11 विकेट ले सके हैं, लेकिन टीम को अपने दम पर जिताने में नाकाम रहे। राहुल तेवतिया को छह मैचों में एक ही विकेट मिला है। सीनियर तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने चार और बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान ने छह मैचों में पांच विकेट लिए हैं।युवा चेतन सकारिया ने छह मैचों में सात विकेट चटकाए हैं। दूसरी ओर सनराइजर्स पिछले दोनों मैच हार चुकी है।दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हालांकि वे बदकिस्मती से सुपर ओवर में हार गए।

पाकिस्तान के महान बल्लेबाज युसूफ बोले- शीर्ष फॉर्म में हैं विराट कोहली, जल्दी ही शतक बनायेंगे

कराची। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के महान बल्लेबाज मोहम्मद युसूफ का मानना है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली शानदार फॉर्म में हैं और जल्दी ही सभी प्रारूपों में फिर शतक बनाना शुरू करेंगे। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शुमा कोहली ने 2019 के बाद से किसी प्रारूप में शतक नहीं लगाया है। युसूफ ने एक इंटरव्यू में कहा ,'' कोहली सिर्फ 32 साल के हैं और इस उम्र में कोई भी बल्लेबाज शीर्ष फॉर्म में होता है। वह जल्दी ही फिर शतक लगाना शुरू करेंगे।'' उन्होंने कहा ,'' वह टेस्ट और वनडे में पहले ही 70 शतक लगा चुके हैं और यह अपने आप में बड़ा रिकार्ड है।''

उन्होंने कोहली और सचिन तेंदुलकर में तुलना का भी समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा ,'' कोहली ने जो हासिल किया, उसकी जितनी तारीफ करो कम है लेकिन मुझे नहीं लगता कि उसकी और तेंदुलकर की तुलना होनी चाहिये।'' युसूफ ने कहा ,'' तेंदुलकर का क्लास ही अलग था। उन्होंने सौ अंतरराष्ट्रीय शतक बनाये और यह नहीं भूलना चाहिये कि जिस दौर में वह खेले, उस समय कैसे गेंदबाज होते थे।'' युसूफ ने कहा कि भारत से तकनीक के धनी बल्लेबाज लगातार निकलते रहे हैं जबकि पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट से जुड़े लोगों को इस पर मंथन करना चाहिये।

दक्षिण अफ्रीका के खेल मंत्री ने कहा, सरकार के दखल के बिना हो क्रिकेट

जोहानिसबर्ग। (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के खेलमंत्री नाथी मथेवा ने कहा कि क्रिकेट सरकारी दखल के बिना होना चाहिए और उन्होंने उस घोषणा को भी वापस ले लिया, जिससे राष्ट्रीय टीमें और उनके दौरे खतरे में पड़ सकते थे। बीच में साउथ अफ्रीका की टीम के कप्तानों ने भी इस बात को उजागर किया था कि बोर्ड और सरकार के बीच अगर मसले हल नहीं हुए तो वे भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में शायद ही खेल पाएंगे।

साउथ अफ्रीका के खेल मंत्री नाथी मथेवा ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हमने काफी कुछ सीखा है और अब सरकार को इससे अलग हो जाना चाहिए। खेलों में सरकारी दखल नहीं होना चाहिए। लोगों को पता होना चाहिए कि किसी भी अच्छी चीज के लिए संघर्ष जरूरी है।' साउथ अफ्रीका के लिए ये किसी बड़ी खुशखबरी से कम नहीं है।

मथेवा ने पिछले साल अंतरिम बोर्ड की नियुक्ति की थी और समूचे पिछले बोर्ड को या तो बर्खास्त कर दिया गया था या उसने इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने गुरुवार को राष्ट्रीय खेल और

मनोरंजन अधिनियम के तहत अपने अधिकारों का इस्तेमाल किया, जिससे दक्षिण अफ्रीका में कोई क्रिकेट इकाई नहीं रह जाती। इससे राष्ट्रीय टीमों का दर्जा और भावी दौरे खतरे में पड़ सकते थे।

इसके कुछ घंटे बाद ही हालांकि उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने विभाग को इसे वापस लेने के निर्देश दे दिए हैं। सीएसए के नए बोर्ड में 15 निदेशक होंगे, जो दो साल बाद घटकर 13 हो जाएंगे। आठ स्वतंत्र निदेशक होंगे, जिन्हें स्वतंत्र पैनल नामित करेगा। सदस्यों की परिषद पांच गैर स्वतंत्र निदेशकों को चुनेगी। सीएसए बोर्ड का अध्यक्ष आठ स्वतंत्र निदेशकों में से एक होगा। एक समय ऐसा लग रहा था कि इंटरनेशनल क्रिकेट कांउसिल यानी आइसीसी कहीं साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड की सदस्यता न रद कर दे, लेकिन अब ये संकट टल गया है।

बरार बोले, डिविलियर्स को डॉट गेंद डालना चाहता था लेकिन उनका विकेट मिल गया

अहमदाबाद। पंजाब किंग्स के स्पिनर हरप्रीत बरार का लक्ष्य एबी डिविलियर्स को डॉट गेंद डालना था लेकिन स्टीक रणनीति के कारण उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के इस खतरनाक बल्लेबाज का विकेट मिल गया। ऐसा दुर्लभ ही होता है कि एक ही मैच में किसी एक गेंदबाज को विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल और डिविलियर्स के विकेट मिल जाए और पंजाब के इस 25 वर्षीय गेंदबाज ने यह कारनामा कर दिखाया। बरार ने कोहली और मैक्सवेल को बोल्ड किया और डिविलियर्स को खराब शॉट खेलने पर मजबूर किया। उन्होंने कहा कि मैं डिविलियर्स को ऑफ स्टम्प के बाहर गेंद डालना चाहता था। यही वजह है कि मैंने स्लिप में फील्डर खड़ा किया था। मैं डॉट गेंद डालना चाहता था लेकिन किस्मत से उनका विकेट मिल गया। बरार ने 17 गेंदों में 25 रन बनाने के बाद 4 ओवरों में 19 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने कहा कि मेरी रणनीति सही लैंग्थ से गेंदबाजी करने की थी। गेंदबाज के खेलने के तरीके को देखकर लैंग्थ में बदलाव किया जाता। पिछले 2 सत्रों में 3 मैच खेल चुके बरार ने पहली बार आईपीएल में विकेट लिए हैं।

सुनील गावस्कर ने बताया, भारतीय गेंदबाज इन खतरनाक गेंदों का कर रहे हैं बड़ी चतुराई से इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूरा देश इस समय कोरोना महामारी से जूझ रहा है। ऐसे में हम सभी को काफी सतर्क रहना चाहिए और डॉक्टरों से सलाह मशविरा करते रहना चाहिए। इस वायरस से बचाव के लिए बायो-बबल भी ठीक उसी तरह सुरक्षित नहीं है, जैसे कि टी-20 मैच में आप 200 रन बनाने के बाद भी नहीं कह सकते कि आप जीतने वाले हैं। इस वायरस से बचाव के लिए हमें काफी सतर्क और एकजुट होकर लड़ना होगा।

आइपीएल के 14वें सत्र ने अभी आधा सफर भी तय नहीं किया है। ऐसे में मुझे लगता है सभी टीमों के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद की टीम की जीत की दिशा से कहीं ना कहीं भटक गई है। हालांकि क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है और मेरा ऐसा भी मानना है कि उनकी टीम जल्द ही पलटवार करेगी और बाकी सभी मैच जीतकर आइपीएल के मौजूदा सत्र के प्लेऑफ में अपना स्थान पक्का करेगी, क्योंकि हैदराबाद के पास विश्व के सर्वश्रेष्ठ टी-20 गेंदबाज जैसे कि राशिद खान हैं, जबकि बल्लेबाजी में उनके पास डेविड वार्नर, जॉनी बेयरस्टो और केन विलियमसन जैसे धाकड़ खिलाड़ी हैं।

वहीं, मध्यक्रम में उनके पास मनीष पांडे जैसे बेहतरीन मानसिकता वाले बल्लेबाज हैं। वह जबरदस्त खेल रहे हैं, लेकिन गलत समय पर आउट हो रहे हैं। फिनिशर के तौर पर अब्दुल समद जैसा युवा भरतीय बल्लेबाज है, जो शुरू में थोड़ा समय लेता है। हालांकि उसके अंदर बड़े-बड़े शॉट मारने की भरपूर क्षमता है। यहां तक कि आपके बड़े- बड़े हिटर बल्लेबाज जैसे कि क्रिस गेल, कीरोन पोलार्ड और आंद्रे रसेल भी शुरू में समय लेते हैं। कुछ गेंदें खेलने के बाद ये सभी बड़े-बड़े शॉट मारने के लिए खुल जाते हैं और गगनचुंबी छक्के बरसाते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि अगर वे शुरू में थोड़ी डॉट गेंद खेल लेते हैं तो बाद में चौके-छक्के बरसाकर उसकी भरपाई कर लेंगे।

यूएई में हुए पिछले आइपीएल की तुलना में देखें तो अगर पिच थोड़ी भी तेज गेंदबाजी को मदद करती है तो भारतीय बल्लेबाजों के ऊपर बाउंसर की बौछार होने लगती है। यहां पर गेंदबाज अगर बल्लेबाज के सिर के थोड़ी ऊपर भी गेंद करता है तो एक अतिरिक्त गेंद और रन बल्लेबाज को मिलता है। ऐसे में बाउंसर गेंद अगर किसी बल्लेबाज से दूर होती है या वह उसे ऊंचाई की वजह से नहीं खेल पाता है तो वाइड दिया जाना चाहिए। क्योंकि मेरे हिसाब से यह टी-20 क्रिकेट में गेंदबाजों के साथ अन्याय हो रहा है। उनके लिए एक ऐसा नियम बनाना चाहिए।

एफआईएच प्रो लीग 2021-22: न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 फरवरी को होगा भारत का पहला मैच

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के तीसरे सत्र में अगले साल 5 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। एफआईएच ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम की आज घोषणा की। भारतीय टीम फरवरी में ऑस्ट्रेलिया और स्पेन से भी खेलेगी। उसे इस महीने 5 मैच विदेश में खेलने हैं, जिसके बाद भारत में जर्मनी और अर्जेंटीना का सामना करना है। भारतीय टीम को 12 और 13 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया से और 26 तथा 27 फरवरी को स्पेन से खेलना है। भारत और जर्मनी का सामना 12 और 13 मार्च को होगा, जबकि अर्जेंटीना से उसे 19 और 20 मार्च को खेलना है।इसके बाद भारत में ही दो और तीन अप्रैल को इंग्लैंड से मैच होंगे। बेल्जियम के खिलाफ 11 और 12 जून और नीदरलैंड के खिलाफ 18 और 19 जून को उनके मैदान पर खेलना है। भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा, कार्यक्रम से हमें तैयारी के लिए काफी समय मिल जाएगा। इस समय हमारा फोकस टोक्यो ओलंपिक है, लेकिन उसके बाद हम इसकी तैयारी करेंगे। एफआईएच प्रो लीग का दूसरा सत्र अभी चल रहा है। भारत को इस महीने स्पेन और जर्मनी से खेलना है।

आरसीबी कोच कैटिच ने कहा, चहल की जगह को कोई खतरा नहीं

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

केंद्रीय अनुबंध में निचले दर्जे में खिसके और राष्ट्रीय टीम में अंतिम एकादश में स्थायी जगह पाने से वंचित लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल का बचाव करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कोच साइमन कैटिच ने कहा कि टीम में उनकी जगह को कोई खतरा नहीं है।

पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे कैटिच पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में नीचे खिसक गए। उन्हें आईपीएल के इस सत्र में भी अभी तक 7 मैचों में 8.26 की इकॉनामी रेट से 4 ही विकेट मिले हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच गंवाने के बाद कैटिच ने कहा कि हम यह नहीं कहेंगे कि उसकी जगह सुरक्षित नहीं है।

चहल ने 4 ओवर में 34 रन दिए जबकि पंजाब के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने 17 रन देकर 2 विकेट लिए और बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार ने 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए। कैटिच ने कहा कि उनके स्पिनरों ने अच्छी गेंदबाजी की। विकेट धीमा हो रहा था और उन्होंने इसे बखूबी भांपा। युजवेंद्र ने अच्छी पासी की लेकिन पहले ओवर में महंगे साबित होने के बाद वापसी करना उतना आसान नहीं होता। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ अगले मैच में हालात बदलेंगे। हमारे लिए यह दिन निराशाजनक था लेकिन अच्छी बात यह है कि हम वापसी कर रहे हैं। अगले मैच में केकेआर के खिलाफ हम वापसी करेंगे।

आईपीएल में उभरा मोगा का नया किंग हरप्रीत सिंह बराड़, आरसीबी के धुरंधरों को दी मात

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दो आईपीएल मैच खेलने के बाद भी जब कैरियर में आगे बढ़ने का राह नहीं निकल रही थी तो मोगा के गांव हरिएवाला में जन्मे 24 साल के हरप्रीत सिंह बराड़ ने आइलेट्स कर कनाडा उड़ जाने का मन बना लिया, लेकिन भाग्य में कुछ और ही लिखा था। वे कनाडा जा पाते उससे पहले ही आइपीएल में पंजाब किंग्स की टीम ने हरप्रीत सिंह बराड़ को तीसरी बार खेलने के लिए कॉल कर लिया।

बस फिर क्या था, हरप्रीत ने आइपीएल में तीसरी बार पदार्पण करते हुए कुछ ऐसा कर डाला कि जिससे पूरा पंजाब ही नहीं पूरा देश पंजाब के नए 'किंग' की प्रतिभा पर झूम उठा। आइपीएल का पहला विकेट ही दुनिया के दिग्गज बल्लेबाज एवं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली को क्लीन बोल्ड कर लिया। फिर क्या था कोहली के विकेट मिलने से उत्साहित हरप्रीत ने ग्लेन मैक्सवेल और एबी डिविलियर्स को आउट कर अपने भविष्य की नई इबारत लिख डाली।

कौन हैं हरप्रीत सिंह बराड़

जिले के बाघापुराना तहसील के गांव हरिएवाला के मूल निवासी हरप्रीत सिंह बराड़ गांव के सामान्य परिवार से हैं। सात साल की उम्र से ही हरप्रीत की क्रिकेट के प्रति दीवानगी थी। अपनी प्राईमरी शिक्षा भी गांव में शुरू की। बाद में पिता मोहिंदर सिंह का सिलेक्शन सेना की इंजीनियरिंग ब्रांच में हो गई, पोस्टिंग भी चंडीगढ़ में मिली तो परिवार करीब 15 साल पहले जीरकपुर में शिफ्ट हो गया।

हालांकि, हरप्रीत सिंह की दादी गुरदयाल कौर व चाचा आज भी गांव में ही रहते हैं, खेती करते हैं। हरप्रीत के सैनिक पिता मोहिंदर सिंह बताते हैं कि 2003 के विश्वकप में खिलाड़ियों को खेलते देख हरप्रीत ने बड़ा क्रिकेटर बनने की ठान ली थी, क्रिकेट तो पहले से ही हरप्रीत खेलता था, लेकिन विश्वकप के बाद एकेडमी ज्वाइन की और मोहाली की तरफ से इंटर डिस्ट्रिक्ट मैच खेलने शुरू कर दिए। परिवार में उनकी मां गुरमीत कौर और एक बहन भी है जोकि अब कनाडा में सेटल हो चुकी है।

क्या किया हरप्रीत ने

आइपीएल में शुक्रवार की रात को पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंसर्ज बैंगलोर के बीच मैच था। हरप्रीत सिंह ने सीजन का पहला मैच खेलते हुए पहले बल्लेबाजी करते हुए 17 गेंद खेलते हुए एक चौका व दो गगनचुंबी छक्के लगाकर 25 रन बनाए। हरप्रीत के कदम यहीं पर नहीं रुके, जब गेंदबाजी संभाली को उनका मनोबल आरसीबी के कप्तान विराट कोहली ने तोड़ दिया, क्योंकि उन्होंने दो बाउंड्री उनके खिलाफ ठोक दीं, लेकिन हरप्रीत हार मानने वालों में से नहीं थे।

हरप्रीत सिंह ने पहले विराट कोहली को बोल्ड किया और फिर ग्लेन मैक्सवेल को भी अपने जाल में फंसाया, जो कि आरसीबी के मैच विनर खिलाड़ी थे। मैक्सवेल के बाद हरप्रीत सिंह ने एबी डिविलियर्स जैसे धुरंधर को भी आउट कर दिया और आरसीबी के सीजन की छठी जीत के सपने को जमीन पर ला दिया। कोहली व मैक्सवेल को तो हरप्रीत सिंह ने लगातार दो गेंदों पर क्लीन बोल्ड किया। डिविलियर्स को राहुल के हाथों कैच कराया।

निराशा थी, लेकिन हिम्मत नहीं हारी

हरप्रीत पंजाब के लिए अंडर-23 में भी खेल चुके हैं, लेकिन सीनियर टीम में सलेक्शन नहीं हो पाया। चार बार पंजाब की आइपीएल टीम के लिए ट्रायल दिए, लेकिन हर बार रिजेक्ट कर दिया गया। निराश होकर वे कनाडा जाने की सोचने लगे थे। वे ऐसा कर पाते, उससे पहले ही पंजाब किंग्स ने 20 लाख में हरप्रीत सिंह को खरीदकर एक और मौका दिया। हालांकि हरप्रीत ने 2019 में आइपीएल में डेब्यू किया था। उस समय दो मैच ही खेल सके थे। 2020 में एक ही मैच खेलने का मौका मिल सका। तीसरी बार मौका मिला तो पहले ही मैच में अपनी अलग पहचान बना दी।

मोगा पर किया गर्व महसूस

हरप्रीत के शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें मैन आफ द मैच के लिए एक लाख रुपये का चेक देने बुलाया तो कमेंटेटर ने पूछा वे मोगा से हैं, सोनू सूद के मोगा से हैं, हरमनप्रीत कौर भी मोगा से हैं तो हरप्रीत ने कहा कि हां मैं मोगा से हूं वहां का होने पर उन्हें गर्व है। मोगा का नाम लेते हुए उनके चेहरे पर अजीब सी खुशी थी।

बिल का भुगतान नहीं करने पर अस्पताल ने मरीज का शव सड़क पर फेंक दिया

सूरत ।

कोरोना के नए मामले शहर में बड़े पैमाने पर हर दिन दर्ज हो रहे हैं । मौजूदा स्थिति में कोरोना संक्रमित के परिजन अस्पताल, बेड, ऑक्सीजन या फिर इंजेक्शन के लिए चक्कर काट रहे हैं । स्वास्थ्य सुविधाओं की बिगड़ती हालत की वजह से लोगों की मौत हो रही है। लेकिन ऑक्सीजन, दवाओं की काला बाजारी के बाद अब अस्पतालों ने मानवता को शर्मसार कर दिया है । सूरत में एक पिता अपने बीमार बेटे की मौत के बाद अस्पताल के बिल का भुगतान नहीं कर सका, तो अस्पताल के कर्मचारियों ने उसके बेटे के शव को सड़क पर फेंक दिया । दिल दहला देने वाली इस घटना के बाद आसपास के लोग असहाय पिता की मदद के लिए आगे आए और पूरा मामला पुलिस तक पहुंचा । मामला सामने आने के बाद मृतक के पिता ने जानकारी देते हुए कहा कि मृत्यु के बाद अस्पताल को शव सौंपने के लिए कहा, तो उन्होंने पहले पूरा बिल देने के लिए कहा । पिता ने कहा कि वह जल्द ही पैसे की व्यवस्था करेगा और बिल का भुगतान कर देगा । लेकिन अस्पातल के कर्मचारियों ने उसकी बात नहीं मानी । मृतक भगवान नायक (३६) के पिता के अनुसार, उनका बेटा तीन दिनों से बुखार से पीड़ति था । कोरोना की आशंका के बीच बेटे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया । यहां एक्स-रे के लिए ढाई हजार रुपये जमा करने के बाद कहा गया कि वह जल्द ठीक हो जाएगा । जिसके बाद दो दिन में दो बार फिर से २० हजार रुपये जमा करवाया गया । इतना ही नहीं हर दिन ४५०० रुपये की दवाएं भी मंगवाई जाती थी । बावजूद इसके उसके बेटे की जान नहीं बचाई जा सकी । जब पिता अस्पताल पहुंचा तो उसे और पैसे जमा करने के लिए कहा गया । हालांकि उसने कहा कि जल्द ही व्यवस्था करके अस्पताल में पैसा जमा कर देगा । लेकिन उसकी बात को अस्पताल के कर्मचारियों ने नहीं सुना और उसके बेटे

के शव को अस्पताल के बाहर सड़क पर फेंक दिया। इतना ही नहीं अस्पताल का गेट भी अंदर से बंद कर दिया गया । मामला देख स्थानिक लोगों ने मदद किया तब जाकर पिता ने मामला दर्ज करवाया। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

कोविड में मदद के लिए युवती ने ड्युटी स्वीकार की

राजकोट ।

बेटी ने मां-पिता गंवाने को एक महीना भी नहीं है फिर भी उसने हाल की परिस्थिति में अन्य लोगों के मां-पिता को मददरूप बनने के लिए सामने से कोविड ड्यूटी स्वीकार की है । पीडीयू मेडिकल कॉलेज की दूसरे वर्ष में पढ़ाई करती अपेक्षा मारडिया ने वह अपनी व्यथा बताती है कि, मेरे पिता मां अब नहीं रहे, जिसका मुझे बहुत ही दुख है । यह दुख को भुलाकर भी लोगों पर आ रही यह विकट परिस्थिति में अन्य को मददरूप होना चाहती हूं । कोरोना संक्रमण से अन्य लोगों के मां-पिता को बचाकर मेरे मां-पिता को सही श्रद्धांजलि देना है, कई गंभीर मरीजों का और उनके परिजनों का जबकि मेडिकल टीम पर विश्वास है, तब उनकी अपेक्षा पूरा होनी चाहिए, यह समझकर २७ अप्रैल से समरस कोविड सेंटर पर ड्यूटी करने की अपेक्षा से शुरू कर दिया है। मरीजों के रिपोर्ट्स, ऑक्सीजन लेवल चेक करना, दवा देना, मरीज की शिफर्टिंग तथा अन्य कामकाज में मददरूप बन रही है अपेक्षा । अपना प्रथम अनुभव बता रही है कि, हाल में एक गंभीर मरीज को पीडीयू में शिफ्ट करने के समय मरीज के साथ एंबलेंस में साथ में जाकर देखभाल करके, इतना ही नहीं मरीज को वेंटिलेटर पर रखा जाए तब तक मददरूप हुई । हाल में मरीज की स्थिति अच्छी है । इसके लिए आनंद की क्षण होने का अपेक्षा बताती है । अपेक्षा के पिता गत ६ अप्रैल और मां १० अप्रैल को कोरोना की वजह से मौत होने पर वह दुखी हो गई, इसके साथ १० में कक्षा में पढ़ते छोटे भाई की पढ़ाई के लिए बड़ी जिम्मेदारी आ गई है । यह कठिन स्थिति में उसने ड्यूटी को अस्वीकार कर सकती है, लेकिन उसने ड्यूटी को प्राथमिकता देकर दुखी रहने के बदले मरीजों के उपचार में अपनी जान लगा दिए जाने का समरस अध्यक्ष चरणसिंह गोहिल और सीनियर डॉक्टर की टीम बताती है ।

धन्वन्तरी में मरीजों के परिजन ने मेडिकल विद्यार्थियों को धमकी दी

मरीजों के संबंधी पीपीई किट पहनकर अस्पताल में घुस जाने पर सुरक्षा व्यवस्था और मैनेजमेंट के खिलाफ सवाल

अहमदाबाद ।

शहर के जीएमडीसी ग्राउंड में गुजरात यूनिवर्सिटी के कोन्वोकेशन सेंटर में डीआरडीओ के सहयोग से खड़ी की गई धन्वन्तरी अस्पताल में ड्यूटी करते बीजे. मेडिकल कॉलेज के १०४ एमबीबीएस के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए गुरुवार की रात बहुत ही तनावपूर्ण रही । एक रिपोर्ट के अनुसार यह विद्यार्थियों को फिलहाल धन्वन्तरी अस्पताल में नाइट ड्यूटी पर रखा गया है। अभी मरीजों के कई संबंधी पीपीई किट पहनकर अस्पताल में घुस गये और डॉक्टर को धमकी दी। इस घटना से अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और मैनेजमेंट के खिलाफ सवाल खड़े हो गये । नाइट ड्यूटी पर ड्यूटी करते विद्यार्थियों ने आरोप लगाया है कि मरीजों के कई संबंधी पीपीई किट पहनकर अस्पताल में घुस गये और उनको सिर्फ धमकी नहीं दी लेकिन उनकी एक साथी महिला डॉक्टर जिस रात को ११ बजे के करीब अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद वापस जा रही थी इस पर हमला भी किया। रिपोर्ट के अनुसार गुस्से में भीड़ ने कथित तौर पर आईसीयू वार्ड पहुंचे और मौजूद जुनियर डॉक्टरों को धमकी दी । विद्यार्थियों ने बताया कि परिस्थिति इतनी गंभीर थी कि वह मदद के लिए रोने लगी, लेकिन पुलिस और ड्यूटी पर सिक्युरिटी तरफ से कोई मदद नहीं मिली । विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि आक्रामक भीड़ से बचने के लिए उन्होंने अस्पताल के पीछे के हिस्से से जान बचाने के लिए भागना पड़ा । यह अफरातफरी होने पर भी धन्वन्तरी अस्पताल के मैनेजमेंट तरफ से कोई मदद नहीं मिलने पर विद्यार्थियों ने इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए जुनियर डॉक्टर एसोसिएशन के सदस्य और बीजे मेडिकल कॉलेज में कॉलेज के डीन से मिले थे ।

गुजरात के ३२ कस्बों को कोरोना से अकेले डॉक्टर बचा रहे है

अहमदाबाद ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि हमें गांवों में कोरोना वायरस फैलने से रोकना होगा । वहीं, गुजरात के राणावाव तालुका के ३२ कस्बे और गांव ऐसे हैं जो महामारी की यह लड़ाई केवल एक डॉक्टर के सहारे ही लड़ रहे हैं । पोरबंदर जिले के राणावाव शहर के कांग्रेस अध्यक्ष प्रताप क्षत्रिय कहते हैं कि यहां और पास के ३१ गांवों को मिलाकर कुल जनसंख्या १ लाख के करीब है । ये सभी लोग राणावाव के सरकारी अस्पताल पर ही इलाज के लिए निर्भर हैं । इस सरकारी अस्पताल में केवल एक डॉक्टर ही ड्यूटी पर बचा है । कुछ समय पहले यहां पांच डॉक्टर थे लेकिन कोरोना मामलों के बढ़ने के बाद इनमें से चार को पोरबंदर के सिविल अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया । सरकारी अस्पताल में इकलौते डॉक्टर एसएस प्रसाद कहते हैं कि अकेले ओपीडी, आईपीडी, इमरजेंसी, टेस्टिंग और दूसरी मेडिकल सेवाएं देखना मुश्किल हो रहा है । पिछले दो हफ्तों से वे १६ से १८ घंटे तक काम करते हैं । रोजाना करीब २०० मरीज ओपीडी में आते हैं । टेक्नीशियन रोजाना ३५ आरटी-पीसीआर और ५०-७० एंटीजन टेस्ट करते हैं । सैंपल्स जांच के लिए पोरबंदर भेजे जाते हैं । गंभीर मरीजों को भी पोरबंदर ही भेजा जाता है । राणावाव से पोरबंदर के अस्पताल गए डॉक्टर वसीम गुंडावाला कहते हैं कि पोरबंदर में अब काफी डॉक्टर हैं । पोरबंदर की चीफ डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर कविता दवे का मानना है कि राणावाव में कोई बड़ी परेशानी नहीं है । उन्होंने कहा कि राणावाव अस्पताल में अभी भी चार डॉक्टर हैं- बस तीन कहीं और तैनात हैं । वह यह मानने से इनकार करती है कि केवल एक डॉक्टर राणावाव में ड्यूटी कर रहा है, जोकि एक गंभीर मुद्दा है । अमेरिका से आने वाले सामान में ऑक्सिजन सिलिंडर/रेग्युलेटर, रैपिड डायग्नोस्टिक किट, ह्९५ मास्क और पल्स ऑग्जीमीटर लेकर आ रहे हैं । सूत्रों ने बुधवार को बताया था कि भारत ने अमेरिका से मेडिकल आपूर्ति मांगी है जिनमें वैक्सीन की तैयार खुराकों के साथ-साथ कच्चा माल भी शामिल है ।

DHAIRYA AVNISH TIWARI

Wish you a Very Happy Birthday And A Long Happy Life

१८ वर्ष उपर के लोगों के लिए टीकाकरण अभियान की शुरुआत

गुजरात का स्थापना दिवस

सरकार की ओर से निर्धारित टीका केंद्र सभी सरकारी हॉस्पिटल क्लीनिक व कोविड-१९ सेंटर पर ही टीके निशुल्क लगाए जाएंगे

गांधीनगर ।

आज गुजरात का स्थापना दिवस है । १ मई से राज्य के १० जिला में १८ वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों के लिए कोरोना टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है । इससे पहले जानकारी सामने आई थी कि टीकाकरण अभियान शुरू नहीं किया जा सकता है क्योंकि वैक्सीन निर्माताओं ने वैक्सीन की आपूर्ति नहीं की थी । जिसके बाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने सोशल मीडिया के माध्यम से जनता को संबोधित करते हुए कहा कि टीकाकरण गुजरात के सबसे प्रभावित जिलों में १ मई से शुरू होगा । अहमदाबाद नगर निगम द्वारा ८० स्कूलों का टीकाकरण किया जाएगा । पंजीकरण मौके पर नहीं किया जाएगा । पहले से पंजीकृत लोगों को ही टीका लगाया जाएगा । इस दौरान नागरिकों को अपना पहचान पत्र लेकर जाना होगा । पंजीकरण के बाद रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक एसएमएस आएगा । जिसमें वैक्सीन केंद्र और टाइम की जानकारी दी जाएगी। सरकार की ओर से निर्धारित टीका केंद्र सभी सरकारी हॉस्पिटल क्लीनिक व कोविड-१९ सेंटर पर ही टीके निशुल्क लगाए जाएंगे । राज्य सरकार द्वारा घोषणा के बाद अहमदाबाद नगर निगम ने कोविड टीकाकरण के लिए ८० सत्र स्थल तय किए । जहां १८ से ४४ वर्ष के बीच के नागरिकों को टीका लगाया जाएगा । ४५ वर्ष से अधिक आयु के लोगों को वर्तमान में टीका लगाया जा रहा है । लेकिन केंद्र सरकार की घोषणा के बाद १ मई से देश में १८ वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को कोरोना वैक्सीन दी जाएगी । गुजरात स्थापना दिवस पर एक मई को गुजरात के सबसे ज्यादा संक्रमित १० जिलों में १८ वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को कोरोना का टीका मुफ्त में देने का आगाज हो चुका है । मुख्यमंत्री विजय रूपानी की घोषणा के अनुसार अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, जामनगर, भावनगर, कच्छ, मेहसाणा, भरूच व गांधीनगर जिलों में एक मई से १८ वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को निशुल्क टीका लगाया जाएगा । इसके लिए सरकार की ओर से बनाई गई वेबसाइट पर पंजीकरण आवश्यक है ।

मुक्तितिलक फाउंडेशन द्वारा सूरत के नागरिकों के लिए सीआर पाटिल ने कोरोना कवच बीमा योजना शुरू की

सूरत।

सूरत शहर के सभी समाजों में 18 वर्ष से 65 वर्ष की आयु के भाइयों और बहनों के लिए सूरत का एक सेवा-उन्मुख संगठन, मुक्तितिलक फाउंडेशन, ने गोपीपुरा क्षेत्र के श्री रत्नसैन जैन विद्यालय में सीआर पाटिल कोरो की कवच बीमा योजना शुरू की है। शहर शनिवार की सुबह, 1 मई, गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सीआर ने श्री पाटिल के आशीर्वाद के साथ इसका उद्घाटन किया।

इस अवसर पर, भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल ने कहा कि यह विशेष आयोजन वास्तव में सराहनीय है क्योंकि लोग कोरोना काल में विभिन्न सेवा गतिविधियाँ करते हैं। यह पूरे देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री मोदीजी ने भी इसके लिए शुभकामनाएं भेजी हैं। इस कार्य के लिए समाज और संगठन सुरेशभाई को बधाई।

इस योजना का प्रबंधन श्री सुरेश डी शाह, चेयरमैन, मुक्तीतिलक फाउंडेशन, शहर के एक प्रसिद्ध संगठन द्वारा किया जा रहा है। शहर के सभी लोगों के लिए कोरोना बीमा कवर लिया जाएगा। जिसकी आयु 18 से 65 वर्ष तक है। एसबी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी की कोरोना रक्षक पॉलिसी की अवधि 195 दिन है। और बीमा की राशि 1 लाख होगी। पॉलिसी ऑनलाइन लेनी होगी। हर किसी के पास समय की बचत होती है इसलिए किसी को ऑनलाइन पॉलिसी लेनी होती है। जिसमें एस.बी.आई. जीवन बीमा कंपनी द्वारा आवश्यक दस्तावेजों को पूरा करके पॉलिसी प्राप्त की जाएगी। यह नीति 1 मई से 5 मई तक ली जानी चाहिए। इस अवधि के दौरान ली गई पॉलिसी का प्रीमियम मुक्ति तिलक फाउंडेशन द्वारा वापस किया जाएगा। जब कोई व्यक्ति ऑनलाइन पॉलिसी लेता है, तो उसे स्वयं प्रीमियम का भुगतान करना होता है। जब आप बीमा पॉलिसी प्राप्त करते हैं, तो पॉलिसी के ज़ीरक्सा, आधार कार्ड और संगठन के एक फॉर्म को भरें ताकि भुगतान की गई प्रीमियम की पूरी राशि मुक्ति तिलक फाउंडेशन द्वारा वापस कर दी जाएगी।

इस योजना को शुरू करने के उद्देश्य के बारे में, सुरेश शाह ने कहा कि वर्तमान में कोरोना काफी तनाव में है। इस योजना का आयोजन लोगों की निस्वार्थ रूप से मदद करने के उद्देश्य से किया गया था। यह योजना सूरत शहर के किसी भी समाज में 18 से 65 वर्ष की आयु के भाइयों और बहनों के लिए है।

इस अवसर पर श्रीमती दर्शनाबेन जर्दोश, निरंजनभाई झंझमेरा, हर्षभाई संघवी, अरविंदभाई राणा, संगीताबेन पाटिल, महापौर हेमलीबेन बोगावाला, उप महापौर दिनेशभाई जोधाणी, परेशभाई पटेल, किशोरभाई बिंदल के साथ-साथ निगम पार्षद भी उपस्थित थे। यह शो यूट्यूब चैनल च्मुक्ति तिलकज्ञ पर लाइव प्रसारित किया गया था जिसमें हजारों लोगों ने इस शो को देखा। जिसमें पॉलिसी के बारे में सारी जानकारी दर्शकों को ऑनलाइन दी गई थी।

१५ दिन में गांवों को कोविड-१९ से मुक्त कराने की अपील

अहमदाबाद ।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने शनिवार को राज्य के सरपंचों से अगले १५ दिन में गांवों को कोरोना वायरस मुक्त बनाने के लिये कदम उठाने की अपील की। उन्होंने गुजरात के स्थापना दिवस के मौके पर ग्राम प्रमुखों के साथ हुई डिजिटल बैठक के दौरान यह अपील की । कोरोना वायरस महामारी से उपजे हालात और आज दिन में भरूच के एक अस्पताल में आग लगने से १८ कोविड-१९ रोगियों की मौत के मद्देनजर इस बार स्थापना दिवस सादगी से मनाया जा रहा है । गांधीनगर से राज्य के ग्राम प्रमुखों को संबोधित करते हुए रूपाणी ने कहा कि उन्हें समितियां बनाकर और संदिग्ध रोगियों का पता लगाकर उनके इलाज के जरिये अपने-अपने इलाकों को कोरोना मुक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिये । रूपाणी ने अपने संबोधन में कहा, ''(कोविड-१९ महामारी से उपजे) हालात गंभीर और चिंताजनक हैं । एक सदी में एक बार ऐसी महामारी फैलती है । देश का कोई राज्य और गुजरात का कोई जिला इससे अछूता नहीं है ।

हम ट्रिपल 'टी' रणनीति यानी अधिकतम टेस्टिंग, अधिकतम ट्रेसिंग और अधिकतम ट्रीटमेंट के जरिये महामारी से लड़ रहे हैं । बंबई राज्य का विभाजन कर १९६० में आज ही के दिन गुजरात की स्थापना की गई थी । कोरोना वायरस महामारी से उपजे हालात और आज दिन में भरूच के एक अस्पताल में आग लगने से १८ कोविड-१९ रोगियों की मौत के मद्देनजर इस बार स्थापना दिवस सादगी से मनाया जा रहा है ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)